RNI No. 62592/95
www.upobserver.in
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 21 सोमवार 25 से 31 अगस्त, 2025 पृष्ठः 8 मूल्य : ₹3/=

राज चौपला रेलवे क्रॉसिंग पर बनेगा आरओबी, सांसद ने किया शिलान्यास ...8

'हनुमान जी का भक्त आसमान की ऊंचाइयों को छूकर लौटा है', शुभांशु शुक्ला के लिए बोले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। दिल्ली में भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और गगनयान मिशन पर जाने वाले उनके अन्य सहयोगियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस सम्मान समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए। इस दौरान रक्षा मंत्री ने गगनयात्रियों की जमकर तारीफ की और कहा कि पूरे देश को गगनयात्रियों पर गर्व है और सभी देशवासी गौरवान्वित हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि 'प्रशिक्षण के दौरान आप सभी ने जो मेहनत की, वह न केवल प्रभावशाली थी, बल्कि मैं कहूंगा कि उत्कृष्ट थी। मुझे भारत माता के सपूत, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और उनके अन्य सहयोगियों, ग्रुप कैप्टन पी वी नायर, ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन और ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप का स्वागत और अभिनंदन करते हुए सचमुच गर्व महसूस हो रहा है। सभी देशवासियों को आप सभी पर गर्व है। आप सभी ने देशवासियों को गौरवान्वित किया है।'

सुब्रतो पार्क में भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि गगनयान मिशन आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में एक नए अध्याय का प्रतीक है। फरवरी 2024 में तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में पहली बार शुभांशु शुक्ला समेत अन्य गगनयात्रियों के नामों का खुलासा किया था। गगनयान मिशन का उद्देश्य 2027 में तीन दिवसीय मिशन के लिए तीन सदस्यीय चालक दल को 400 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थित पृथ्वी की कक्षा में भेजना है।

राजनाथ सिंह ने कहा, 'हमारा योगदान केवल अंतरिक्ष में उपग्रह भेजने तक ही सीमित नहीं है। आज भारत चंद्रमा से लेकर मंगल तक अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। आज भारत गगनयान जैसे अभियानों के लिए भी पूरी तरह तैयार है। मैं इसे केवल एक तकनीकी उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के एक नए अध्याय के रूप में देखता हूं, जहां हम दुनिया की प्रमुख अंतरिक्ष शक्तियों के बीच पूरे गौरव के साथ खड़े हैं।'

रक्षा मंत्री ने कहा, 'भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम केवल प्रयोगशालाओं और प्रक्षेपण यानों तक ही सीमित नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय आकांक्षाओं और वैश्विक दृष्टि का प्रतीक है। भारत अंतरिक्ष को केवल अनुसंधान के क्षेत्र के रूप में नहीं देखता, बल्कि हम इसे अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, ऊर्जा और मानवता के भविष्य के रूप में देखते हैं। आने वाले समय में, अंतरिक्ष खनन, रिसर्च और ग्रहों से मिलने वाले संसाधन मानव जाति की दिशा बदल देंगे।' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'मैं लखनऊ संसदीय क्षेत्र से आता हूं, शुभांशु शुक्ला वहीं से हैं। वह हमारे मतदाता भी हैं।'

राजनाथ सिंह ने शुभांशु शुक्ला के बारे में आगे कहा कि 'मुझे यह भी बताया गया कि आप (शुभांशु शुक्ला) भी बजरंग बली के भक्त हैं। और आपने वहां (अंतरिक्ष में) कई बार हनुमान चालीसा पढ़ी होगी। आज हनुमान जी का एक भक्त आसमान की ऊंचाइयों को छूकर लौटा है और हम सबके बीच मौजूद है। मेरा मानना है कि यह सिर्फ विज्ञान की जीत नहीं है। यह हमारे विश्वास की भी जीत है। जब शुभांशु अंतरिक्ष में गए, तो वे सिर्फ भारत के ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के, सशस्त्र बलों के प्रतिनिधि बनकर गए। नागरिक क्षेत्र में आपका योगदान इतिहास में दर्ज होगा। मुझे बताया गया कि शुभांशु ने अंतरिक्ष में खेती भी की है। भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है, लेकिन मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि भारत का कोई किसान अंतरिक्ष में जाकर मेथी और मूंग की खेती करेगा। निश्चित रूप से, आपका अनुभव हमारे आगामी अभियानों में बहुत मददगार साबित होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि 'आज हम एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं जहां अंतरिक्ष अब केवल सैन्य शक्ति या तकनीकी कौशल का प्रतीक नहीं रह गया है। यह मानव सभ्यता की यात्रा में एक नया मील का पत्थर है। भारत ने हमेशा दुनिया को 'वसुधैव कुटुम्बकम' का संदेश दिया है। आज हमारे वैज्ञानिक और अंतरिक्ष में हमारे अंतरिक्ष यात्री उस संदेश को नई ऊँचाइयों पर ले जा रहे हैं।'

कोई छोटा कर्मचारी सस्पेंड हो सकता है तो प्रधानमंत्री क्यों नहीं?

सीएम-पीएम को हटाने वाले बिल पर पहली बार बोले मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में हाल ही में पेश किए गए संविधान संशोधन विधेयक का बचाव किया, जो केंद्र को जेल में बंद किसी भी मंत्री को बर्खास्त करने का अधिकार देता है। बिहार के गयाजी में एक रैली में बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगर किसी सरकारी कर्मचारी को 50 घंटे की जेल होती है, तो उसे नौकरी से निलंबित कर दिया जाता है। उन्होंने पूछा कि ऐसा ही नियम प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्रियों पर क्यों नहीं लागू होना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अगर किसी सरकारी कर्मचारी को 50 घंटे की जेल हो जाती है, तो उसकी नौकरी अपने आप चली जाती है, चाहे वह ड्राइवर हो, क्लर्क हो या चपरासी। लेकिन एक मुख्यमंत्री, एक मंत्री या यहाँ तक कि एक प्रधानमंत्री जेल से भी सरकार में बने रहने का आनंद ले सकता है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले, हमने देखा कि कैसे जेल से फाइलों पर हस्ताक्षर किए जा रहे थे और कैसे जेल से सरकारी आदेश दिए जा रहे थे। अगर नेताओं का ऐसा रवैया है, तो हम भ्रष्टाचार से कैसे लड़ सकते हैं। एनडीए सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ कानून लेकर आई है, और प्रधानमंत्री भी इसके दायरे में आते हैं। मोदी ने कहा कि राजद, कांग्रेस और वामपंथी दल इस कानून का विरोध कर रहे हैं। वे बहुत गुस्से में हैं। कौन नहीं जानता कि वे किससे डरते हैं?... उन्हें लगता है कि अगर वे जेल गए, तो उनके सारे सपने चकनाचूर हो जाएंगे। वे इतने घबराए हुए हैं कि वे एक ऐसे कानून का विरोध कर रहे हैं जो जनहित में है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ एक ऐसा कानून लाई है, जिसके दायरे में देश का प्रधानमंत्री भी आता है। इस कानून में मुख्यमंत्री और मंत्री भी शामिल किए गए हैं। इस कानून के बनने के बाद, अगर कोई मुख्यमंत्री, मंत्री या प्रधानमंत्री गिरफ्तार होता है, तो उसे 30 दिन के भीतर जमानत लेनी होगी, और अगर जमानत नहीं मिली तो 31वें दिन उसे कुर्सी छोड़नी पड़ेगी।

विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे देश में चाहे कांग्रेस हो या आरजेडी, इनकी सरकारों ने कभी जनता के पैसों का मोल नहीं समझाङ्क इनके लिए जनता के पैसों का मतलब सिर्फ अपनी तिजोरी भरना रहा है। इसी वजह से इनकी सरकारों में सालों-साल तक परियोजनाएँ पूरी नहीं होती थीं। कोई योजना जितनी लटकती थी, ये उतना ही पैसा उसमें कमा लेते थे।

उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी दाग नहीं लगा, जबकि आजादी के बाद कांग्रेस की सरकारें जो 60-65 साल तक सत्ता में रहीं, उनके भ्रष्टाचारों की एक लंबी सूची है। आरजेडी का भ्रष्टाचार तो बिहार का बच्चा-बच्चा जानता है। मेरा साफ मानना है कि अगर भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाना है, तो कोई भी कार्रवाई से बाहर नहीं होना चाहिए।

भारत ने स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम का किया परीक्षण

बालेश्वर। भारतीय डीआरडीओ यानी की रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने ओडिशा के तट से एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली (IADWS) का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उड़ान परीक्षणों के लिए (IADWS) को विकसित करने वाली रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन और सशस्त्र बलों से जुड़े समस्त टीमों को बधाई दिया है। प्राप्त खबर के अनुसार स्वदेशी हवाई रक्षा प्रणाली का बीते कल यानी कि शनिवार आधी रात के बाद ओडिशा तट से पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया। नई हवाई रक्षा प्रणाली का उड़ान परीक्षण ऑपरेशन सिंदूर के साढ़े तीन महीने बाद हुआ है।

(IADWS) एक बहु स्तरीय हवाई रक्षा प्रणाली है। जिसमें त्वरित प्रतिक्रिया वाली सतह से हवा में मार करने वाली तथा सभी स्वदेशी मिसाइल, बहुत कम दूरी की हवाई रक्षा प्रणाली (VSHORADS) मिसाइल और उच्च शक्ति वाली लेजर आधारित निर्देशित ऊर्जा हथियार (DEW) प्रणाली शामिल है।

भारतीय सशस्त्र बलों और उद्योग जगत को बधाई देते हुए रक्षा मंत्री ने सभी का इस मौके पर आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि इस अद्वितीय उड़ान परीक्षण ने हमारे देश की बहुत स्तरीय हवाई रक्षा क्षमता को स्थापित किया है और यह दुश्मन के हवाई खतरों के खिलाफ रक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाएगा।

यहां उल्लेखनीय है कि भारत कब अपने किस मिसाइल का परीक्षण करेगा इस बात को काफी गुप्त रखा जा रहा है। जिसके चलते विश्व के किसी भी देश को तभी पता चलता है जब भारत का डीआरडीओ अपने द्वारा किए गए मिसाइल के परीक्षण की जानकारी देता है।

सूत्र बताते हैं कि आने वाले चंद दिनों में और कई अत्याधुनिक मिसाइल का परीक्षण के लिए भारत पूरी तरह से तैयार है।

इस मौके पर रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के अध्यक्ष डॉ. समीर भी कामत ने सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ से जुड़े समस्त अधिकारियों, वैज्ञानिकों को धन्यवाद दिया है।

सिख गुरुओं ने अपने बलिदान से सनातन की रक्षा कीः सीएम योगी आदित्यनाथ

सिख गुरुओं ने अपने जीवन का हर क्षण देश, धर्म और मानवता के कल्याण के लिए समर्पित कियाः मुख्यमंत्री

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इतिहास में वही जाति और कौम जीवित रहती है, जो अपने पूर्वजों के शौर्य, पराक्रम और बलिदान को जीवन का हिस्सा बनाती है। सिख गुरुओं ने सदैव सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी वीरता, त्याग और बलिदान देश की आत्मा में आज भी जीवित है। सीएम योगी रविवार को गोरखपुर के पैडलेगंज स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने पर्यटन विकास कार्यों, गुरुद्वारा भवन के नए स्वरूप और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार कार्यों का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम प्रकाश पर्व पर आयोजित समागम में मुख्यमंत्री ने गुरुवाणी सुनी और संगत के बीच शामिल हुए। गुरुद्वारा समिति की ओर से उन्हें प्रतीक चिन्ह और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया गया।

सिख गुरुओं की परंपरा अनुपम और अटूट रही है- सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं की परंपरा अनुपम और अटूट रही है। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोविंद सिंह जी महाराज तक, हर गुरु ने सनातन धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने कहा कि जब भी भारतीय संस्कृति पर संकट आया, सिख गुरुओं ने आगे बढ़कर अपने बलिदान से उसे बचाया। सीएम योगी ने विशेष रूप से गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को याद किया। उन्होंने कहा कि उनके बलिदान के 350वें वर्ष में देशभर में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कुछ ही समय पूर्व मुख्यमंत्री आवास से नगर कीर्तन और कीर्तन पाठ के जरिए इस आयोजन की शुरूआत हुई। इसी तरह गुरु नानक देव जी महाराज के 550वें प्रकाश पर्व पर भी मुख्यमंत्री आवास पर पहली बार गुरुवाणी का आयोजन हुआ था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पैडलेगंज का यह गुरुद्वारा वर्षों से सिख संगत का आस्था केंद्र रहा है। पहले यहां सुविधाओं का अभाव था, लेकिन अब पर्यटन विभाग और सरकार की मदद से इसे आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है। अब यहां श्रद्धालुओं के लिए गुरुवाणी पाठ, लंगर और अन्य धार्मिक कार्यक्रम और बेहतर सुविधाओं के साथ हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा केवल किसी जाति या समुदाय तक सीमित नहीं होता। यहां आने वाले हर व्यक्ति का स्वागत होता है। यही सिख परंपरा और गुरुवाणी का वास्तविक संदेश है।

सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर के प्रमुख तीन गुरुद्वारों जटा शंकर, मोहद्दीपुर और पैडलेगंज को बेहतर स्वरूप देने का कार्य किया गया है। यह सिख गुरु परंपरा के प्रति हमारी कृतज्ञता और श्रद्धा का प्रतीक है। सीएम योगी ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए पवित्र इसलिए भी है कि 421 वर्ष पूर्व इसी दिन गुरु ग्रंथ साहिब जी को हरमंदिर साहिब में स्थापित कर उन्हें गुरु के रूप में स्वीकार किया गया। यह परंपरा आज भी पूरे विश्व में आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं ने अपने जीवन का हर क्षण देश, धर्म और मानवता के कल्याण के लिए समर्पित किया। आज हमारा दायित्व है कि उनकी शिक्षाओं और बलिदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें।

सीएम ने गोरखपुर में सिख समुदाय की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आयोजन पूर्वी उत्तर प्रदेश के सिख समुदाय को एकजुट करने का अवसर है। उन्होंने लखनऊ में अपने नियमित गुरुपर्व आयोजनों का जिक्र करते हुए कहा कि गोरखपुर में इस तरह के आयोजन में शामिल होना उनके लिए विशेष सौभाग्य है।

चार साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास का गौरवशाली अध्याय है- सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के चार साहिबजादों बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि उनका बलिदान भारतीय इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। उन्होंने कहाकि जब उन्हें लालच दिया गया कि इस्लाम स्वीकार कर लो, तो जीवन और रियासत दोनों सुरक्षित रहेंगे, लेकिन उन्होंने झुकने के बजाय बलिदान का मार्ग चुना। छोटे साहिबजादों को दीवार में चुनवाकर शहीद कर दिया गया, लेकिन उन्होंने अपने धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए दृढ़ निष्ठा दिखाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यही बलिदान आज हम सभी को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 26 दिसंबर को पूरे देश में ह्यवीर बाल दिवसह्ल के रूप में मनाया जा रहा है। यह सिख गुरुओं और साहिबजादों के बलिदान को श्रद्धांजलि देने का एक ऐतिहासिक निर्णय है।

EASY SOLAR®

दीजिये अपने घर को सौर ऊर्जा और
मुफ़्त बिजली का उपहार
जुड़िये प्रधानमंत्री - सूर्य घर
मुफ़्त बिजली योजना से

"इस योजना से अधिक आय,
कम बिजली बिल और लोगों के लिए
रोजगार सृजन होगा।"
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

आज ही सब्सिडी का लाभ उठाए

संयंत्र की क्षमता	केन्द्र सरकार का अनुदान (रु.)	राज्य सरकार का अनुदान (रु.)	कुल अनुमन्य अनुदान (रु.)	संयंत्र की अनुमानित लागत (रु.)	उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (रु.)
3KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹180000	₹72000
5KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹275000	₹167000
8KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹400000	₹292000
10KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹500000	₹392000

बहेतर कल के लिए
ईजी सोलर के साथ कदम बढ़ाए।

@7%* Rate of Interest P.A
Subsidy From Government

1800 313 333 333
www.easysolarsolutions.com

रिक्रूट आरक्षियों को दिया यूपी पुलिस इंटीग्रेटिड ऑनलाईन ट्रेनिंग पोर्टल का प्रशिक्षण

आधारभूत प्रशिक्षण में आधुनिक पुलिसिंग की बारीकियां सीखेंगे जवान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। पुलिस लाईन हरसांव में पुलिस का प्रशिक्षण लेने वाले जवानों को विशेष ट्रेनिंग दी गई। इस दौरान रिक्रूट आरक्षियों को यूपी पुलिस इंटीग्रेटिड ऑनलाईन ट्रेनिंग पोर्टल का प्रशिक्षण दिया गया। आधारभूत प्रशिक्षण के दौरान उक्त जवान पोर्टल के माध्यम से पुलिसिंग की बारीकियां सीखेंगे। शुक्रवार को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय कल्पना सक्सैना के नेतृत्व में यह प्रशिक्षण दिया गया।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय कल्पना सक्सैना ने बताया कि पुलिस लाईन गाजियाबाद में प्रचलित आरटीसी (रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर) की अन्तर्कक्षीय कक्षाओं (इंडोर क्लास) का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आरक्षियों के आधारभूत प्रशिक्षण को लेकर चलाये जाने वाले यूपी पुलिस इंटीग्रेटिड ऑनलाईन ट्रेनिंग पोर्टल/ एंडराईड एंड आईओएस एप के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया और आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

उपरोक्त पोर्टल/एप आरक्षियों के आधारभूत प्रशिक्षण को आधुनिक पुलिसिंग के नये मानकों के अनुसार उच्चकोटि का बनाये रखने के लिए तैयार किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से पाठ्य सामग्री प्रत्येक प्रशिक्षु को लॉगिन आईडी के माध्यम से पढ़ाई जाएगी।

इसे लर्निंग रेनफोर्समेंट के साथ प्रशिक्षुओं को ढंग से अभ्यास करने में सुविधा होगी। ज्ञात हो कि पुलिस लाईन में 600 जवानों की ट्रेनिंग चल रही है। नौ माह के इस ट्रेनिंग के बाद सभी जवान गाजियाबाद पुलिस में शामिल हो जाएंगे। उक्त सभी जवानों को पीएनओ नंबर भी जारी किये जा चुक हैं। इन जवानों के मिलने से जनपद पुलिस की मैन पावर पहले से ज्यादा बढ़ जाएगी।

डीसीपी ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी आमजन की आवाज को दे रहे मजबूत सहारा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गाजियाबाद के निर्देश पर शुक्रवार को भी पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने हर दिन की तरह शुक्रवार को अपने कार्यालय सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार में जनसुनवाई की। शिकायत लेकर पहुंचे फरियादियों से उन्होंने आत्मीय संवाद किया, उनकी समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना और तत्काल संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। डीसीपी ग्रामीण की कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे केवल शिकायतें सुनने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि हर मामले की गहराई से जानकारी लेकर समाधान तक की निगरानी करते हैं। यही कारण है कि ग्रामीण क्षेत्र का आम नागरिक खुद को असहाय नहीं समझता, बल्कि उसे विश्वास रहता है कि उसकी बात अब सीधे उच्च अधिकारी तक पहुँच रही है।

जनसुनवाई में आये लोगों ने कहा कि सुरेन्द्र नाथ तिवारी का व्यवहार बेहद सहज और संवेदनशील है। वह हर फरियादी को पूरा समय देते हैं और समस्या के समाधान तक उसका साथ निभाते हैं। जनता का मानना है कि उनकी कार्यशैली ने पुलिस के प्रति विश्वास और सम्मान को नई ऊँचाई दी है। पुलिस उपायुक्त ग्रामीण ने स्पष्ट कहा कि गाजियाबाद पुलिस की प्राथमिकता जनता को न्याय दिलाना है। कोई भी शिकायत छोटी या बड़ी नहीं होती, हर व्यक्ति की परेशानी हमारे लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने चेतावनी भी दी कि यदि किसी शिकायत को जानबूझकर लटकाया गया तो सम्बंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। दरअसल, गाजियाबाद पुलिस आयुक्तालय में रोजाना आयोजित हो रही जनसुनवाई एक ऐसा मंच बन चुकी है, जहाँ आम नागरिक बिना किसी भय और दबाव के अपनी बात रख सकता है।

सुरेन्द्र नाथ तिवारी की प्रतिबद्धता और जमीनी स्तर पर काम करने की शैली ने इस पहल को और प्रभावी बना दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उनकी नेतृत्व क्षमता और सक्रियता के कारण ही ग्रामीण क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है। वे न केवल शिकायत सुनते हैं, बल्कि मौके पर जाकर हालात की समीक्षा करने में भी पीछे नहीं रहते। यही कारण है कि ग्रामीण क्षेत्र की जनता उन्हें जनता के सच्चे प्रहरी के रूप में देखने लगी है।

सेव लाइफ फाउंडेशन ने दिया यातायात पुलिस को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण

हादसों में मृत्यु दर में कमी लाने के लिए जीवन रक्षक कार्यक्रम आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर में कमी लाने तथा दुर्घटना में घायल को शीघ्र व प्रभावी राहत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेव लाइफ फाउंडेशन की विशेषज्ञ टीम द्वारा जीवन रक्षक कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम पुलिस लाईन स्थित परमजीत हाल में हुआ। इस दौरान संस्था की तरफ से यातायात पुलिस के जवानों को लोगों की जान बचाने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया।

पुलिस आयुक्त जे. रविन्दर गौड के निर्देश पर इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त-अपराध व कानून व्यवस्था आलोक प्रियदर्शी द्वारा किया गया, जिसमें सहायक पुलिस आयुक्त यातायात प्रथम/द्वितीय सहित कुल 45 यातायात पुलिस अधिकारी (निरीक्षक एवं उपनिरीक्षक गण) ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान सेव लाइफ फाउंडेशन के सीईओ एवं संस्थापक पीयूष तिवारी तथा उनकी विशेषज्ञ टीम द्वारा सड़क दुर्घटना की स्थिति में गोल्डन ऑवर (प्रथम घण्टे) के महत्व को विस्तार से समझाते हुए गुड सेमेरिटन के संबंध में भी जागरूक किया गया। टीम द्वारा प्रतिभागियों को सीपीआर की सही विधि का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया, तथा दुर्घटना के समय अंग भंग होने की दशा में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही यह भी बताया गया कि किसी भी प्राथमिक उपचार की प्रक्रिया शुरू करने से पहले स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित करना अति आवश्यक है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत शेष बचे यातायात कर्मियों को अगले चरणों में प्रशिक्षण दिया जायेगा।

प्राथमिक उपचार के अभाव में होती हैं ज्यादातर मौतें

प्रशिक्षण के दौरान संस्था की तरफ से बताया गया कि भारत में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांशतः मृत्यु समय पर प्राथमिक उपचार न मिलने के कारण होती हैं। यहां यह भी स्पष्ट है, कि पुलिस किसी भी सड़क दुर्घटना घटित होने की दशा में सबसे पहले पहुंचती है, ऐसे में आवश्यक है, कि सभी पुलिस कर्मी सीपीआर के सम्बन्ध में जागरूक एवं प्रशिक्षित हो। पुलिस कर्मियों को सीपीआर एवं प्राथमिक उपचार की विधियों का प्रशिक्षण दिए जाने से दुर्घटना पीड़ितों की जीवन रक्षा की संभावनाएं कई गुना बढ़ जाएंगी।

गाजियाबाद, लोनी व मोदीनगर महायोजना 2031 के प्रभावी होने से बढेगी निवेश की संभावनाएं: जीडीए वीसी अतुल वत्स

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- एक्सप्रेक्स वे के साथ प्रस्तावित किए गए है नए औद्योगिक क्षेत्र
- 66 लाख की जनसंख्या के आधार पर तैयार की गई पुन :रीक्षित महायोजना 2031

गाजिबाद। लोनी एवं मोदी नगर महायोजना 2031 के प्रभावी होने से जिले में अब निवेश की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। जिले में औद्योगिककरण एवं वन डिस्ट्रिक वन- प्रोडक्ट (ओडीओपी) को बढावा दिए जाने के उददेश्य से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे के समीप नए औद्योगिक क्षेत्र प्रस्तावित किए गए है। इस प्रकार उत्तर प्रदेश सरकार के एक ट्रिलियन अर्थ व्यवस्था के औद्योगिक विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में गाजियाबाद जनपद अपना महत्वपूर्ण योगदान देगा। ये तमाम बातें गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष श्री अतुल वत्स ने प्राधिकरण के सभागार कक्ष में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान दी।

उन्होंने बताया कि गाजियाबाद, लोनी एवं मोदी नगर महायोजना 2031 की स्वीकृति होने से जनपद में ट्राजिंट ओरिएंटेड डेवलेपमेंट (टीओडी) नीति के क्रियान्वयन में सुगमता आएगी एवं सुनियोजित विकास को बढावा मिलेगा। इस नीति के अंतर्गत टीओडी कॉरिडोर के पास जन सुलभ सुविधाएं जैसे कि अफार्डेबल हाउसिंग, व्यवसायिक एवं मनोरंजनात्क सुविधाएं विकसित की जा सकेगी। मास्टर प्लान के तहत टीओडी एवं स्पेशल डेवलपमेंट एरिया (एसडीए) जोन को मिक्सड यूज कटेगरी के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रों में उच्च फलोर एरिया रेसीओ (एफएआर) 1.5 से बढाकर 5.0कर दिया गया है। एनसीआरटीसी द्वारा संचालित रैपिड रेल कारिडोर में गाजियाबाद व मोदी नगर क्षेत्र के अंतर्गत 1.5 किलो मीटर के दायरे में लगभग 4200 हेक्टेयर क्षेत्रफल को टीओडी जोन में बनाया जाएगा। साथ ही मेट्रो कारिडोर के रेड लाइन एवं ब्लू लाइन के 500 मीटर के दायरे में लगभग 630 हेक्टेयर क्षेत्रफल को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त आरआरटीएस के दुहाई एवं गुलधर स्टेशन के समीप लगभग 900 हेक्टेयर क्षेत्रफल का स्पेशल डेवलपमेंट एरिया (एसडीए) विकसित किया जाएगा। ऐसे क्षेत्रों में मिश्रित भू उपयोग का प्राविधान रखा गया है, जिसके अंतर्गत दो अथवा अधिक भू- उपयोगों का मिश्रण एक ही भवन में होरीजोनटल अथवा वर्टीकली अथवा एक ही स्थान पर विभिन्न उपयोगों के एक से अधिक भवनों में अनुमन्यता प्रदान की जा सकेगी। विकास क्षेत्र के अंतर्गत महायोजना 2031 में नए विस्तारित महायोजना में दो ट्रांसपोर्ट नगर, दो लॉजिस्टक पार्क एवं चार ट्रक पार्किंग भू उपयोग प्रस्तावित किए गए है, जिससे राजस्व सृजन में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर जनसामान्य व निवेशकों द्वारा मिश्रित भू उपयोग के अंतर्गत व्यवसायिक एवं आवासीय गतिविधियों का लाभ उठाया जा सकेगा, वहीं आरआरटीएस/मेट्रो कॉरिडोर के संचालन से जनपद में सुगम यातायात को बढावा मिलेगा।

टीओडी जोन्स में जोनल प्लान तैयार किए जाने हेतु प्राधिकरण द्वारा एनसीआरटीसी को एजेंसी घोषित किया गया है, शासन द्वारा महायोजना 2031 स्वीकृत किए जाने के फलस्वरूप एजेंसी द्वारा जोनल प्लान तैयार किए जाने की गति बढेगी। उन्होंने बताया कि महायोजना में 15-15 फीसदी आवासीय एवं व्यवसायिक के साथ लगभग 20 फीसदी एरिया ग्रीन में बढ़ोत्तरी प्रस्तावित किया गया है।

उन्होंने बताया कि उनकी जानकारी के अनुसार गाजियाबाद के औद्योगिक शहर के रूप में बसाया गया था। सबसे अधिक खुशी का पहलू ये है कि सबसे पहले रैपिड का प्रोजेक्ट गाजियाबाद को मिला। मेट्रो के तीन नए प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। आने वाले वक्त में गाजियाबाद यूपी का सबसे प्रमुख शहर होगा। गाजियाबाद में विकास की बहुत कुछ संभावनाएं है। लोनी के निकट लाजिस्टक पार्क विकसित किए जाने के बाद उसमें औद्योगिक के साथ आवासीय गतिविधि प्रस्तावित की जाएगी। गाजियाबाद में प्रस्तावित अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को जीडीए निर्माण करें अथवा पीपीपी माडल पर निर्माण कराया जाए, इस दिशा में भी प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि पुनःरीक्षित गजियाबाद, लोनी एवं मोदी नगर महायोजना 2031 को 66 लाख की जनसंख्या के आधार पर तैयार किया गया है। 24 मीटर रोड से लगे भूखंडों के स्वामी उठा सकेंगे नीचे दुकान, उपर मकान की योजना का लाभ । मीडिया से बातचीत के दौरान प्राधिकरण सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि नए बिल्डिंग बायलाज के लागू होने के बाद 24 मीटर रोड से लगे भूखंडों के स्वामी अब एक तरह से नीचे दुकान उपर मकान की योजना का लाभ उठा सकेंगे। इसके लिए ऐसे तमाम भूखंडों के स्वामियों को जिनके द्वारा 24 मीटर रोड से लगे भूखंडों में दुकान अथवा शोरूम का निर्माण कर लिया है, उन्हें बिल्डिंग कम्पाउंड कराने का प्राधिकरण मौका देगा। इसके लिए भूखंड स्वामियों को आवेदन हेतु मानचित्र लाने होंगे। जो भूखंड स्वामी बिल्डिंग का शमन नहीं कराते है, ऐसे बिल्डिंग स्वामियों के खिलाफ प्राधिकरण कार्रवाई करेगा। इस बात की प्रसन्नता है कि मौजूदा प्राधिकरण उपाध्यक्ष के अलीगढ़ के कार्यकाल के दौरान अलीगढ के महायोजना को शासन से मंजूरी मिली तथा अब गाजियाबाद के महायोजना को स्वीकृति शासन से प्राप्त हुई है जो कि बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि महायोजना में गाजियाबाद में 15 जोन प्रस्तावित किए गए है। अगले सप्ताह जोनल प्लान के लिए आर एफ पी तैयार कर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

रामायण थीम पार्क के लिए प्रस्तावित जमीन पर निर्माण के लिए प्राधिकरण अधिकारियों ने किया निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की राजधानी दिल्ली सीमा से लगी कोयल एन्कलेव योजना में लगभग साढ़े 22 करोड़ की लागत से बनाए जाने वाले रामायण थीम पार्क के निर्माण के कडी. में आरंभ हुए निर्माण कार्य का शुक्रवार को प्राधिकरण सचिव राजेश कुमार सिंह और प्रभारी मुख्य अभियंता आलोक रंजन ने निरीक्षण किया। इसके साथ साथ राजेंद्र नगर में करीब 40 एकड में विकसित डा राम मनोहर लोहिया पार्क का भी निरीक्षण किया और ये जानने का प्रयास किया कि पार्क में सुधार के किस किस तरह के कदम उठाए जा सकते है। यहां बता दे कि डॉ राम मनोहर लोहिया पार्क को सुनियोजित तरीके से विकसित किये जाने के लिए जन प्रतिनिधियों के द्वारा अनुरोध किया जा रहा था। जिसके लिए प्राधिकरण द्वारा आरएफपी तैयार की जा रही है। कोयल एन्क्लेव में बनने वाले रामायण थींम पार्क के संचालक और अनुरक्षण की जिम्मेदारी 10 वर्षों तक चयनित एजेंसी को दी गई है। इस पार्क का निर्माण 22700 वर्ग मीटर में किया जा रहा है। हाल ही में रामायण थीम पार्क के देखभाल, रखरखाव और संचालन के लिए टेंडर आमंत्रित किए गए थे। जिसमें चार एजेंसियों में से तीन एजेंसियों द्वारा प्राधिकरण के सभागार कक्षा में अपना-अपना प्रस्तुतीकरण दिया गया था। इसके बाद रामायण थीम पार्क के रखरखाव और संचालन के लिए एजेंसी का चयन कर लिया गया है। इसके तहत 10 वर्ष तक पार्क की जिम्मेदारी एजेंसी को दी गई है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने बताया कि दिल्ली सीमा के नजदीक गाजियाबाद में बनने वाला रामायण थीम पार्क में एनसीआर के लोगों को सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ आधुनिक तकनीक से लोगों को सांस्कृतिक विरासत के दर्शन भी कराए जाएंगे। गाजियाबाद में बनाए जाने वाले रामायण थीम पार्क में रामायण के प्रमुख पात्रों की 15 मूर्तियां सहित कुल 45 कलात्मक प्रतिष्ठान स्थापित कराए जाएंगे। इसके अलावा थीम पार्क में 5 डी मोशन चेयर थिएटर, लाइट एंड साउंड शो का भी आयोजन कराया जाएगा। बनाए जाने वाले इस रामायण थीम पार्क से गाजियाबाद शहर को एक नया पर्यटन स्थल मिलेगा। जिससे गाजियाबाद की एनसीआर सहित अन्य जिलों में अपनी अलग पहचान बनेगी।

रिजर्व पुलिस लाइन में एएसपी का औचक निरीक्षण, जवानों को मिले कड़े निर्देश

हापुड़। जिले की पुलिस व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के उद्देश्य से अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आदेश कक्ष में पुलिस कर्मियों का ओआर (ऑफिस रिपोर्ट) लिया और उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। इसके उपरांत एएसपी ने अर्दली रूम का मुआयना कर विभिन्न गार्दों से जुड़े रजिस्टरों की गहनता से जांच की। हाजिरी रजिस्टर, ड्यूटी चार्ट, अनुशासन संबंधी प्रविष्टियां और शस्त्रागार से संबंधित अभिलेखों की भी बारीकी से पड़ताल की। उन्होंने कहा कि सभी रजिस्टर समय पर अद्यतन किए जाने चाहिए। खामियां पाए जाने पर संबंधित को कड़ी चेतावनी दी गई और सुधार लाने के स्पष्ट निर्देश दिए।

एएसपी विनीत भटनागर ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि 'पुलिस का मुख्य धर्म जनता की सुरक्षा है।

साहिबाबाद क्षेत्र में ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड प्रोजेक्ट से मिल रहा है औद्योगिक इकाइयों को लाभ, नगर आयुक्त ने टीम से की समीक्षा बैठक

अवैध रूप लगे नलकूपों को चलाने वाली औद्योगिक इकाइयों पर होगी कार्यवाही: नगर आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- 1108 औद्योगिक इकाइयों को हो रही है जलापूर्ति, निगम वितरित करेगा बिल

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड प्रोजेक्ट को लेकर समीक्षा बैठक हुई बैठक में कंप्लीट हुए प्रोजेक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से देखते हुए ली गई। साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में 1108 औद्योगिक इकाइयों को गाजियाबाद नगर निगम जलापूर्ति कर रहा है।

शेष औद्योगिक इकाइयों को भी शीघ्र औद्योगिक जलापूर्ति के लिए कार्यवाही चल रही है। टीम के द्वारा समीक्षा बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। ऐसी औद्योगिक इकाइयां जिनके द्वारा अवैध रूप से लगे हुए नलकूप का इस्तेमाल करते हुए जलापूर्ति की जा रही है उन पर विभाग कड़ी कार्यवाही करेगा, निर्णय लिया गया। साथ ही जिन औद्योगिक इकाइयों को जलापूर्ति हो रही है उनको बिल वितरित करने के लिए भी निर्णय लिया गया, नगर आयुक्त द्वारा निर्धारित शुल्क के क्रम में बिल वितरित करने के लिए महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद को निर्देशित किया गया।

नगर आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक में एस वरदराजन डायरेक्टर वी ए टेक वेबग लिमिटेड, प्रोजेक्ट मैनेजर अग्नि मोहंती उपस्थित रहे जिनके द्वारा रोड रेस्टोरेशन से लेकर, किए जा रहे शोधित जल की प्रक्रिया संबंधित प्रेजेंटेशन दी गई। औद्योगिक इकाइयों को जलापूर्ति के लिए किया जा रहे रजिस्ट्रेशन व अन्य पर भी गहनता से विचार विमर्श किया गया। औद्योगिक क्षेत्र से भी निगम को जलापूर्ति करने पर आय प्राप्त होगी, रेट निर्धारण करने तथा बिल वितरित करने पर योजना बनाई जा रही है। बॉन्ड कमेटी के सदस्य के रूप में निर्माण विभाग से मुख्य अभियंता नरेंद्र कुमार चौधरी, देशराज, जलकल विभाग से आस कुमार व अन्य टीम उपस्थित रही।

साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र को जलापूर्ति हेतु सफलतापूर्वक संपन्न हुए ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड प्रोजेक्ट के कार्य के उपरांत प्रोजेक्ट के भव्य उद्घाटन के लिए भी निगम योजना बना रहा है। साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र को जलापूर्ति की जा रही है जिसका लाभ औद्योगिक इकाइयों को मिल रहा है समय-समय पर नगर आयुक्त व अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा भी चल रहे कार्यों की मॉनिटरिंग निरीक्षण की क्रम में की जा रही है। शहर हित में ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड बहुत ही लाभदायक सिद्ध होगा तेजी से कार्य चल रहा है।

मुजफ्फरनगर में मंत्री नरेंद्र कश्यप ने किया जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन

सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में अधिकारियों को बेहतर ढंग से काम करने के निर्देश दिये

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के प्रमुख नरेंद्र कश्यप शुक्रवार को मुजफ्फरनगर के दौरे पर रहे। सुबह उन्होंने आवास गोकुल सिटी हरिद्वार रोड पर जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। जनता दर्शन कार्यक्रम में पहुंचे, लोगों की उन्होंने समस्या सुनी। तो अधिकारियों और संबंधित विभाग के प्रमुख को निर्देश दिए की जनता के साथ अच्छा व्यवहार किया जाए। जो भी लंबित काम है, उनको समय रहते पूरा किया जाए। जनता को परेशान ना होना पड़े और कार्य में गुणवत्ता बरती जाए ।इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय नेताओं और पार्टी के प्रमुख लोगों से मुलाकात की, उनसे आगामी विधानसभा चुनाव और आयोजनों को लेकर चर्चा भी की।

उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने सर्किट हाउस निरीक्षण भवन मुजफ्फरनगर में सहारनपुर मंडल के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की मंडलीय और जनपदीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक के बाद अधिकारियों के द्वारा कराए गए कार्यों और मुजफ्फरनगर के विकास कार्यों को लेकर पत्रकारों से भी बातचीत की।

इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने बताया है कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ वाली सरकार लगातार जनता के हितों को ध्यान में रखकर विकास कार्य कर रही है। जिसमें जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सभी विभागों पर मंत्री और प्रभारी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। तो वहीं अधिकारियों को भी निर्देशित किया जा रहा है कि वह गुणवत्ता पूर्ण कार्य करें और सरकार की मंशा के अनुरूप जिम्मेदारियां को निभाने का काम करें। इस दौरान मंत्री नरेंद्र कश्यप ने अलग-अलग विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जनता के साथ व्यवहार अच्छा रखा जाए और जनसुनवाई भी बेहतर ढंग से होती रहे।

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा- उत्तर प्रदेश में बढ़ रहा है विकास का नेटवर्क

उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप का कहना है कि जब से यूपी में भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाली सरकार है यहां विकास का नेटवर्क बढ़ रहा है। पहले लोगों को परेशान और बीमार प्रदेश मिला था, जिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने बेहतर ढंग से चलने का काम किया है। साथ ही यहां शिक्षा, बिजली ,स्वास्थ्य के साथ ही विकास का आधारभूत ढांचा भी मजबूत बनाया जा रहा है ताकि आमजन को परेशान ना होना पड़े। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में लगातार हाईवे और सड़क की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य करवाए जा रहे हैं ताकि बड़ी आबादी को लाभ हो सके। इसके साथ ही व्यापारियों और ट्रांसपोर्टस भी इस व्यवस्था से संतुष्ट और खुश नजर आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक समय में अपराध का ग्राफ बहुत अधिक होता था लेकिन जिस तरीके से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपराधियों की सफाई के निर्देश देते हैं उससे कानून व्यवस्था की स्थिति भी उत्तर प्रदेश और खासतौर से पश्चिम उत्तर प्रदेश के जिलों में काफी बेहतर हुई है। पिछले कई सालों से देखा जा रहा है कि बदमाश सलाखों के पीछे जा रहे हैं या उनको सीधे यमराज के पास पहुंचा जा रहा है। मुजफ्फरनगर के दौरे पर मंत्री नरेंद्र कश्यप ने पार्टी के प्रमुख नेताओं और अन्य प्रमुख पदाधिकारियों से भी मुलाकात की।

सांसद अतुल गर्ग ने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को दी बधाई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। स्थानीय सांसद अतुल गर्ग ने शुक्रवार को नई दिल्ली में एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। उन्हें राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनाये पर बधाई देते हुए उनकी शानदार जीत होने का विश्वास जताया। गौरतलब है कि जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद रिक्त हुए उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाया है।

सीपी राधाकृष्णन दो बार सांसद भी रह चुके हैं, जबकि उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाये जाने से पहले वे महाराष्ट्र के राज्यपाल थे। वे बीस अगस्त को अपना नामांकन भी दाखिल कर चुके हैं। नौ सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में सीपी राधाकृष्णन का मुकाबला विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी से होगा। बता दें कि गाजियाबाद के सांसदों की गिनती मोदी सरकार के करीबी सांसदों में होती है। वे भले ही मोदी मंत्रिमंडल में शामिल नहीं हैं, लेकिन सरकार उन्हें समय समय पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपती रही है। उपराष्ट्रपति के चुनाव को लेकर भी सांसद अतुल गर्ग को पार्टी व सरकार की ओर से महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा जा सकता है।

महापौर सुनीता दयाल की सख्त चेतावनी: अब नहीं चलेगी जल निगम अधिकारियों की लापरवाही

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शहर की मूलभूत सुविधाओं को लेकर महापौर सुनीता दयाल ने सोमवार को नगर निगम और जल निगम के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में महापौर ने अधिकारियों की लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताई।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सीवर कार्यों की जिम्मेदारी जल निगम की है, लेकिन अधिकारियों द्वारा इसकी निगरानी तक नहीं की जा रही है, जिससे नगर निगम को बाद में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बैठक में मौजूद जीएम जल के.पी. आनंद, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश कुमार, जल निगम अधिशासी अभियंता ब्रह्मानंद और अरुण प्रताप को महापौर ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि सीवर कंपनी द्वारा किए जा रहे कार्यों की मॉनिटरिंग जल निगम की जिम्मेदारी है, लेकिन अधिकारी इसमें लापरवाही बरत रहे हैं।

महापौर ने कहा कि यदि अब भी सुधार नहीं हुआ तो कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। महापौर ने खासतौर पर विजय नगर क्षेत्र के लिए स्वीकृत 10 एमएलडी पेयजल लाइन के लंबित कार्य पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 17 करोड़ रुपये की लागत से इस योजना को पास किया गया था, लेकिन जल निगम की सुस्ती के चलते अब तक कार्य शुरू नहीं हुआ। इस देरी से विजय नगर के हजारों परिवारों को गंगाजल के संकट से जूझना पड़ रहा है।

लंबी वार्ता के बाद बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अगले 10 दिनों के भीतर गंगाजल लाइन का शिलान्यास कराया जाएगा। महापौर ने कहा कि इस कार्य के शुरू होते ही विजय नगर में गंगाजल संकट का समाधान हो जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी कि जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समयबद्ध तरीके से काम पूरे किए जाएं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का गाज़ियाबाद पहुंचने पर भाजपाईयों ने किया स्वागत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। एनएच-9 स्थित इनमेंटेक कॉलेज के सामने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में किया गया, जिसमें भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशौदिया की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान एवं अलीगढ़ सांसद सतीश गौतम भी धर्मेंद्र प्रधान के साथ यात्रा में सम्मिलित रहे।

कार्यक्रम में भाजपा कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने अत्यंत उत्साह के साथ केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया और भाजपा की संगठनात्मक मजबूती व जनहित कार्यों के प्रति समर्पण का संदेश दिया। स्वागत करने वालों में भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, पार्षद अमित त्यागी समेत अनेक भाजपाई प्रमुख रूप से शामिल रहे।

हाउस टैक्स मामला विधान परिषद में रखने पर एमएलसी दिनेश गोयल का किया धन्यवाद

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। विधान परिषद में बढ़े हाउस टैक्स के विषय को रखने पर पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन ने एमएलसी दिनेश गोयल का फूल देकर धन्यवाद किया।

बोर्ड बैठक में बढ़े हाउस टैक्स को निरस्त हो जाने के बाद भी नगर से बढ़ी दर से हाउस टैक्स वसूल किया जा रहा है। इस विषय को लेकर पार्षद लगातार विरोध कर रहे हैं यहाँ तक कि बोर्ड बैठक के मिनट्स के लिए निगम मुख्यालय पर लगातार तीन दिन दो रात पार्षद बैठे रहे उस के बाद भी पार्षदों को निराशा हाथ आयी।

जनता के हित को देखते हुए एमएलसी दिनेश गोयल ने बढ़े हाउस टैक्स के विषय को विधान परिषद में रखा जिस को देख कर नगरवासियों व पार्षदों में आशा की किरन जागी है। पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन के मुख्यता पार्षद सदस्य पार्षद नीरज गोयल, पार्षद अजीत निगम, पार्षद देव नारयण, पार्षद ओम प्रकाश ओढ़, पार्षद कन्हिया लाल, पार्षद संतोष सिंह राणा, पार्षद पवित्रा देवी, पार्षद सुधीर कुमार, पार्षद नितिन कुमार, पार्षद शिवम शर्मा, पूर्व पार्षद जाकिर सैफी, पार्षद पति डॉक्टर पवन गौतम, पार्षद गौरव सौलंकी आदि ने उपस्थित रहकर घन्यवाद प्रेषित किया।

ट्रेन में आग की आपातस्थिति से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए की मॉकड्रिल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति में यात्रियों की संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एनसीआरटीसी, समय-समय पर मॉकड्रिल कर आपातकालीन स्थितियों के लिए तैयार किए गए सिस्टम्स की जांच करता रहता है इसी क्रम में आज सराय काले खां स्टेशन के नजदीक ट्रेन में अचानक आग लगने के परिदृश्य पर यात्री सुरक्षा मॉकड्रिल आयोजित की गई।

इस मॉक ड्रिल में नमो भारत ट्रेन की ऑपरेशन टीम, क्विक रेस्पोंस टीम, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सिविल डिफेंस, स्थानीय पुलिस, कैट्स एम्बुलेंस, स्वास्थ्य विभाग और दमकल विभाग की टीमें मौजूद रहीं।

इस मॉक ड्रिल में वास्तविक जीवन की आपातकालीन स्थितियों को सिम्युलेट किया गया। किसी भी वजह से ट्रेन में आग लगने की आपातस्थिति में यात्रियों को सुरक्षित ट्रेन से बाहर किस प्रकार निकाला जाएगा, इसके लिए मॉकड्रिल के माध्यम से टीम की तैयारियों को परखा गया। सराय काले खां स्टेशन के नजदीक अगर ट्रेन में आग लगने की आपातस्थिति पैदा होती है, तो ऐसी स्थिति में वायडक्ट पर यात्रियों को तत्काल ट्रेन से सुरक्षित बाहर निकालकर वॉक-वे के जरिए स्टेशन पर सुरक्षित पहुंचाया जाएगा। इस मॉकड्रिल की प्रक्रिया में ट्रेन संचालकों, नियंत्रण कक्ष, क्विक रेस्पोंस टीम और अग्निशमन विभाग के बीच समन्वय का मूल्यांकन किया गया - जिसमें त्वरित प्रतिक्रिया, यात्रियों की सुरक्षित और तेज निकासी और आग पर समय रहते काबू पाना सुनिश्चित किया गया।

इस मॉकड्रिल का उद्देश्य ट्रेन में आग की आपातकालीन स्थितियों से निपटने की तैयारियों का परीक्षण करना, विभिन्न आपदा प्रबंधन एजेंसियों के बीच समन्वय सुदृढ़ करना और आपात स्थितियों के लिए प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करना है। उदाहरण के लिए अगर किसी स्टेशन पर या चलती ट्रेन में आग लगने की स्थिति पैदा होती है तो यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए ट्रेन ऑपरेशन स्टाफ व क्विक रेस्पोंस टीम द्वारा एमेरजेंसी ट्रिपिंग स्विच को डाउन कर दिया जाता है। कंट्रोल रूम में लगे इस एमेरजेंसी ट्रिपिंग स्विच को डाउन करके सिस्टम में विद्युत आपूर्ति को रोक दिया जाता है। इस मॉक ड्रिल द्वारा बिजली व्यवधानों को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए मानक प्रोटोकॉल को सुदृढ़ किया जाता है।

इन अभ्यासों से यह सुनिश्चित किया जाता है कि संबंधित टीमें सतर्क रहें, किसी भी संकट की स्थिति में अत्यधिक कुशलता और कम से कम समय में राहत एवं बचाव कार्य करने के लिए तैयार रहें। इसके साथ ही आपातस्थिति की तैयारियों के तहत सभी स्टेशनों पर फर्स्ट ऐड की व्यवस्था भी है। इसके लिए ट्रेन ऑपरेटर्स, ट्रेन अटेंडेंट्स और स्टेशन के अन्य स्टाफ को फर्स्ट ऐड का प्रशिक्षण दिया जाता है। ऑपरेशन टीम द्वारा सभी नमो भारत स्टेशनों के नजदीकी हॉस्पिटल्स के साथ समन्वय भी किया गया है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल मेडिकल सहायता मिल सके। एनसीआरटीसी ट्रेन ऑपरेशन में सेफ़्टी मानदंडों का सख्ती से पालन करती है और समय-समय पर विभिन्न स्टेशनों में सेफ़्टी मॉकड्रिल कर टीम की तैयारियों और सभी सुरक्षा मानकों की जाँच करती है। नमो भारत स्टेशनों पर भी यात्रियों की सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद यात्रियों को किसी भी दुर्घटना से बचाने के लिए सभी स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर्स (पीएसडी) लगाए गए हैं।

विकास और पारदर्शिता से ही लौटेगा जनता का विश्वास : मनीष असीजा

- उत्तर प्रदेश विधान मंडल की निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की गई जांच
- गाजियाबाद में विधान मंडल समिति की बैठक, विकास कार्यों की मिली सराहना

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश विधान मंडल की स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की जांच संबंधी समिति की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को विकास भवन के दुर्गावती देवी सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति मनीष असीजा ने की। विकास भवन पहुंचने पर सभापति को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए मनीष असीजा ने कहा कि जनता टैक्स के रूप में सरकार को जो धन देती है, उसी धन को योजनाओं और परियोजनाओं के माध्यम से जनता के कल्याण पर खर्च किया जाता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता का पैसा जनता को लौटाया जाता है और लोक कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की रुकावट स्वीकार्य नहीं है और विभागों को प्राप्त धन का पारदर्शी और समय पर उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए। गाजियाबाद में अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की उन्होंने प्रशंसा की और कहा कि इससे जिले में विकास कार्यों को गति मिली है।

बैठक में समिति के सदस्य सरिता भदौरिया, डॉ. डी.सी. वर्मा, गुरु प्रसाद मौर्य, गौरव कुमार, विनोद चतुर्वेदी, संग्राम सिंह और किरत सिंह मौजूद रहे। प्रशासनिक स्तर पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़, जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, डीसीपी सिटी धवल जायसवाल, सीडीओ अभिनव गोपाल, जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह समेत अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने समिति के समक्ष नगर निगम की उपलब्धियों और योजनाओं का विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने प्लास्टिक मुक्त अभियान, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन, गाय के गोबर से प्राकृतिक पेंट निर्माण, शिकायत निस्तारण और गाजियाबाद 311 ऐप जैसी पहल को गिनाया। साथ ही उन्होंने बताया कि शहर में सुरक्षा बढ़ाने के लिए आईटीएमएस योजना के तहत सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, कूड़ा निस्तारण की नई व्यवस्था बनाई गई है और विद्यार्थियों में पर्यावरण जागरूकता के लिए पुस्तकालय बनाए जा रहे हैं। गाजियाबाद में हुई यह बैठक इस बात का स्पष्ट संदेश देती है कि सरकार जनता के धन के उपयोग को लेकर पूरी तरह गंभीर है। सभापति मनीष असीजा का यह कथन कि जनता का पैसा जनता को लौटाया जाता है न केवल शासन की कार्यशैली को परिभाषित करता है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि लोक कल्याण ही सरकार का वास्तविक धर्म है।

नगर निगम के कार्यों की प्रस्तुति, मिली प्रशंसा

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने नगर निगम गाजियाबाद द्वारा किए गए कार्यों की प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि शहर ने स्वच्छता और सौंदर्यीकरण के नए आयाम स्थापित किए हैं। प्लास्टिक मुक्त गाजियाबाद के लिए अभिनव प्रयास किए गए हैं, ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाए गए हैं, गाय के गोबर से प्राकृतिक पेंट तैयार किया जा रहा है, जनशिकायत निस्तारण के लिए मोबाइल एप लॉन्च किया गया है, सुरक्षा की दृष्टि से कैमरे लगाए गए हैं और विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष पुस्तक भी प्रकाशित की गई है। निगम के इन प्रयासों की समिति ने सराहना की।

जीडीए हुआ कर्जमुक्त, नई योजनाओं से बढ़ा रुतबा

बैठक में जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह ने भी जीडीए की कार्यप्रणाली और योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि करोड़ों का कर्ज होने के बावजूद वित्तीय वर्ष 2025 में जीडीए पूरी तरह कर्जमुक्त हो गया है। साथ ही हरनंदीपुरम आवासीय टाउनशिप, नॉर्दर्न पेरिफेरल परियोजना, मधुबन-बापूधाम में बुनकर मार्ट एक्सपो व कन्वेंशन सेंटर, जीडीए का नया कार्यालय भवन, पार्कों का सौंदर्यीकरण और रामायण थीम पार्क जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं पर तेजी से कार्य हो रहा है।

अन्य विभागों की भी प्रस्तुतियाँ

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी अपनी-अपनी योजनाओं की जानकारी समिति के सामने रखी। जिला विकास अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अखिलेश मोहन, श्रम, उद्योग, शिक्षा, विद्युत, सिंचाई और पशु चिकित्सा विभाग सहित अन्य विभागों के प्रतिनिधियों ने वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक की योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट दी। बैठक के अंत में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने समिति के सभापति, सदस्यों और सभी गणमान्य अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सम्पादकीय

पैसों से जुड़े ऑनलाइन खेलों की काली दुनिया

इसमें कोई दोराय नहीं कि इंटरनेट के विस्तार के मौजूदा दौर में शायद ही कोई क्षेत्र बचा है, जिसमें इसकी भूमिका महत्त्वपूर्ण नहीं हो गई हो। मगर जितने व्यापक स्तर पर इसके सकारात्मक उपयोग का दायरा बढ़ा है, उसी के समांतर कुछ ऐसे क्षेत्र भी अपने पांव फैला रहे हैं, जो न केवल सामाजिक ढांचे को और आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि बड़ी संख्या में लोग मनोवैज्ञानिक रूप से भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। ह्यऑनलाइन रियल मनी गेमिंगह्ण यानी धन आधारित ऑनलाइन खेल एक ऐसा ही चलन है, जिसने अब मनोरंजन की सीमा को पार करते हुए पैसे कमाने के लालच से उपजी लत और आर्थिक नुकसान का जटिल स्वरूप ग्रहण कर लिया है। भारी तादाद में लोग इसके जाल में फंस रहे हैं और अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। इसे लेकर पिछले काफी समय से चिंता जताई जा रही है, लेकिन सरकार ने इस पर लगाम लगाने या इसे विनियमित करने के बजाय इसके दूरगामी असर की अनदेखी की। इसके नतीजे अब खुल कर सबके सामने आ रहे हैं और चिंता की वजह बन रहे हैं। इसकी वजह से होने वाले नुकसान का दायरा व्यापक होते जाने के बाद अब जाकर खुद सरकार ने भी माना है कि ह्यऑनलाइन रियल मनी गेमिंगह्ण समाज के लिए एक बड़ी समस्या बन चुकी है और इस पर लगाम लगाना वक्त की जरूरत है। अनुमान यह लगाया गया है कि धन-आधारित ऑनलाइन खेलों के चक्कर में करीब पैंतालीस करोड़ लोग हर वर्ष लगभग बीस हजार करोड़ रुपए गंवा देते हैं। इसकी लत की वजह से अब तक सैकड़ों परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद हो चुके हैं। त्रासद पक्ष यह भी है कि इस लत की वजह से ऑनलाइन खेलों के जरिए लोग पैसे कमाने की भूख में लगातार हारते जाते हैं और बाद में कई लोग आत्महत्या और हिंसा जैसा गंभीर कदम भी उठा लेते हैं। इसके नुकसानों को लेकर चिंता पहले भी जताई जाती रही है, अब देर से सही, लेकिन सरकार ने गेमिंग उद्योग के एक हिस्से से मिलने वाले राजस्व के सवाल को फिलहाल पीछे छोड़ते हुए समाज कल्याण को प्राथमिकता देना तय किया है। इस क्रम में ऑनलाइन गेम को विनियमित करने एवं शैक्षिक और सामाजिक आनलाइन खेलों को बढ़ावा देने वाले एक विधेयक को लोकसभा में पारित कर दिया गया है। सही है कि सरकार आज धन आधारित ऑनलाइन गेमिंग को एक बड़ी बुराई बताते हुए इससे बचने की जरूरत बता रही है, मगर अफसोस की बात यह है कि जब ऐसे कथित खेल लोगों के बीच अपनी जगह बना रहे थे, उन्हें समाज से काट रहे थे और इसके बहुस्तरीय नकारात्मक नतीजे सामने आने लगे थे, तब इसके प्रति जताई जाने वाली फिक्र की अनदेखी की गई। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि खुद सरकार ने 2023 में पैसे से जुड़े ऑनलाइन गेमिंग पर अट्ठाईस फीसद जीएसटी भी लगाया था। जबकि यह छिपा नहीं है कि ऑनलाइन गेमों की लत की वजह से कितने युवाओं के सोचने-समझने की प्रक्रिया में तेजी से बदलाव आया है। कई ऐसी खबरें भी आ चुकी हैं, जिनमें लगातार ऑनलाइन गेम खेलते रहने से मना करने पर कोई किशोर हिंसक हो गया और उसने या तो आत्महत्या कर ली या फिर किसी की जान ले ली। इसलिए इसके मनोवैज्ञानिक पहलुओं को भी समझने की जरूरत है। धन-आधारित ऑनलाइन गेम को वैसे भी व्यवहार में जुए से अलग रूप में देखना मुश्किल है। मगर इस तक आसानी से पहुंच की वजह से इसका स्वरूप ज्यादा जटिल हो जाता है।

उपनिषदवाणी

आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिध्यासितव्यः।
आत्मनो वा अरे दर्शनेन श्रवणेन मत्या विज्ञानेन सर्वं विज्ञातं भवति।। १
श्रोतव्यः श्रुतिवाक्येभ्यो मन्तव्यश्चोपपत्तिभिः।
मत्वा च सततं ध्येयः एते दर्शनहेतवः।। २
(बृहदारण्यक २/३/५,६)

प्रो. प्रकाश चंद्र गिरी

भावार्थ :
आत्मा का श्रवण करो,मनन करो तथा ध्यान करो। आत्मा के विज्ञान से सब विज्ञात हो जाता है। १
आत्मतत्त्व का श्रवण श्रुति-वाक्यों के द्वारा करना चाहिए,मनन तार्किक युक्तियों से करना चाहिए तथा योगप्रतिपादित उपायों के द्वारा उसका निदिध्यासन यानी ध्यान करना चाहिए। ये ही दर्शन के हेतु हैं।२

उपनिषदवाणी

रसो वै सः। रसं ह्येवायं लब्ध्वानन्दी भवति।।
(तैत्तिरीयोपनिषद्, ब्रह्मानन्दवल्ली अथवा द्वितीय खण्ड, अनुवाक ७, श्लोक १)

प्रो. प्रकाश चंद्र गिरी

भावार्थ :
वह (परम ब्रह्म)अन्य कुछ नहीं, रस ही है। जब प्राणी इस आनन्द को, इस रस को प्राप्त कर लेता है तो वह स्वयं आनन्दमय बन जाता है ।

गिरीश पंकज की कृतिः मेरी कहानियाँ

साहित्य रसिकों के लिए मूल्यवान पाठ्य

वीना सिंह

गिरीश पंकज की लेखनी पर मेरे द्वारा कलम चलाना, सूरज को दिया दिखाने जैसा ही है। चालीस सालों का साहित्य और पत्रकारिता का अनुभव , अस्सी से भी ज्यादा पुस्तकें लिखने वाले, और व्यंग्यश्री, राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान सहित। लगभग दो दर्जन सम्मानों से अलंकृत गिरीश पंकज के बारे में भला मैं क्या लिख पाऊँगी, लेकिन उनकी पुस्तक 'मेरी कहानियां' पढ़ते समय मेरी कलम अनायास ही उठ जाती है। कहानियां मन को इतना लुभाती हैं कि बिना कुछ कहे रहा नहीं जाता। यह समीक्षा नहीं है मेरे मन में उभरे उदगार भर हैं।

गिरीश पंकज हिंदी साहित्य में एक जाना-पहचाना नाम है – व्यंग्य, कथा और पत्रकारिता के क्षेत्र में उनका योगदान चार दशकों से भी अधिक का है। 'मेरी कहानियाँ' उनके लेखन का एक सार-संग्रह है, जिसमें उनकी विविध संवेदनाओं, सामाजिक दृष्टि और रचनात्मक प्रयोगों का सुंदर मेल दिखाई देता है।

इस संग्रह की कहानियाँ केवल मनोरंजन नहीं करतीं, बल्कि पाठक को सोचने पर मजबूर करती हैं। गिरीश पंकज की कथाओं में रोजमर्रा की जिंदगी के बारीक पहलू, आम आदमी की जद्दोजहद, और समाज के बदलते रंग बेहद सहज लेकिन पैने अंदाज में सामने आते हैं। भाषा सरल, प्रवाहमयी और संवादपूर्ण है, कहीं हल्की-सी व्यंग्य की चुटकी, तो कहीं भावुक कर देने वाली मार्मिकता।

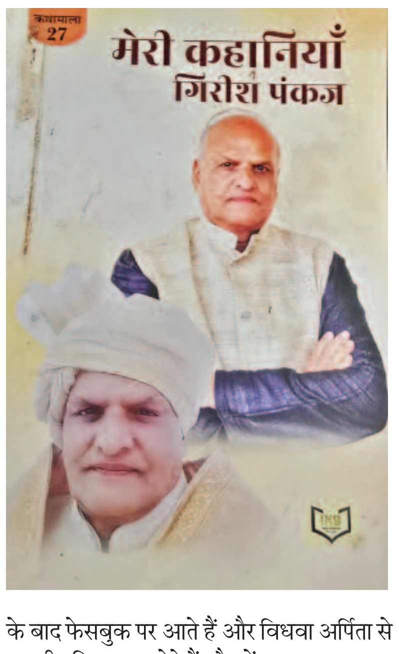

गिरीश जी का लेखन हमेशा अपने समय की नब्ज को पकड़ता है। उनकी कहानियों में पात्र बहुत जीवंत लगते हैं , मानो पड़ोस, मोहल्ले या हमारे ही घर-परिवार से उठकर कागज पर उतर आए हों। यही कारण है कि उनकी कहानियों में पाठक को आत्मीयता भी मिलती है और आईना भी।

वैसे तो संग्रह की सभी चौदह कहानियां कुछ न कुछ विशेषता लिए हुए हैं , लेकिन कुछ कहानियां मन को अंदर तक छू गईं।

जैसे-काशीवास। यह कहानी जीवन की अंतिम यात्रा और आत्मिक संतोष के बीच उलझे मानव-मन को छूती है। लेखक ने काशी जैसे सांस्कृतिक प्रतीक के माध्यम से जीवन-मृत्यु के दार्शनिक प्रश्नों को संवेदनशील ढंग से उठाया है।

रिया नहीं, सीता झ्र आधुनिक समय की नारी और पारंपरिक मूल्यों के टकराव पर केंद्रित। कहानी यह सवाल छोड़ जाती है कि क्या नारी की पहचान सिर्फ.नाम और रूप से है या उसके त्याग, धैर्य और संघर्ष में छिपी है।

ए लव स्टोरी वाया फेसबुक झ्र सोशल मीडिया के दौर में रिश्तों के बनते-बिगड़ते रूप पर एक हल्की-फुल्की लेकिन सोचने पर मजबूर करने वाली कथा। व्यंग्य और यथार्थ का संतुलन इसे खास बनाता है। यह कहानी बताती है कि वाई-फाई सिग्नल से दिल तो जुड़ जाते हैं, पर उम्र के फुटनोट मिटते नहीं। रिटायरमेंट के मुहाने पर खड़े रामशरण, पत्नी के जाने के बाद फेसबुक पर आते हैं और विधवा अर्पिता से आत्मीय रिश्ता बना लेते हैं। चैट में सब कुछ चमकता है–डीपी, इमोजी, उम्मीदें। लेकिन आमने-सामने मिलने पर चमक उड़ जाती हैः अर्पिता उन्हें उम्रदराज दिखती है और साहब का रोमांस 'दवा लेने' चला जाता है। उल्टे पाँव लौटते हैं–पीछे देखना भी गंवारा नहीं। कहानी हल्के व्यंग्य में उस स्वभाव को पकड़ती है, जिसमें हम अपने सफेद बाल भूलकर दूसरे में जवानी ढूँढते हैं।

सरल भाषा, तंज से भरे संवाद और ईमानदार अंत–कहानी यह कह जाती है कि सोशल मीडिया रिश्ते जोड़ सकता है, लेकिन अगर नजर में ईमानदारी न हो तो प्रेम नहीं, बस अपनी ही मनगढ़ंत तस्वीर सामने वाले पर चिपक जाती है।

उड़नेवाला डायनासोर- यह कहानी हास्य-व्यंग्य के माध्यम से समाज और व्यवस्था की विसंगतियों को उजागर करती है। भाषा में चुटीलापन और कथानक में अप्रत्याशित मोड़ इसे रोचक बनाए रखते हैं। उड़नेवाला डायनासोर हेलीकॉप्टर का रूपक है–गाँव के लिए वह किसी प्रागैतिहासिक, भय-आकर्षक जीव जैसा तमाशा है। यह रूपक दिखाता है कि लोकतंत्र के उत्सव में विचार का स्थान तमाशे ने ले लिया है।

इंडिया नेट बुक्स, नोएडा से प्रकाशित 'मेरी कहानियाँ' को पढ़ते समय स्पष्ट महसूस होता है कि लेखक न केवल कथाकार हैं, बल्कि एक सजग सामाजिक पर्यवेक्षक भी हैं। वे मुद्दों को छूते ही नहीं, उन्हें भीतर तक टटोलते हैं। साथ ही, उनकी कथाओं में आशावाद और सकारात्मक दृष्टिकोण भी झलकता है, जो आज के समय में विशेष महत्व रखता है। मेरी कहानियाँ' सिर्फ.कहानियों का संग्रह नहीं, बल्कि जीवन के अलग-अलग रंगों का एक कैनवास है। गिरीश पंकज ने इन रचनाओं के जरिए यह साबित किया है कि साहित्य का असली उद्देश्य सिर्फ. मनोरंजन नहीं, बल्कि सोच और संवेदना को जाग्रत करना भी है। यह पुस्तक हिंदी साहित्य के रसिकों के लिए एक मूल्यवान पाठ्य है।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी , एक विशेष समाधि अवस्था में , शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर , भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गाया, भगवान् राम का दिव्य जीवन)

भाग 32

गतांक से आगे .....

माता अरुन्धती ने अपना दीक्षांत-उपदेश देते हुए कहा ''एक वर्ष के पश्चात तुमने इस विजय की,अपनी प्रतीक तुमने अपने आश्रम में वर्णित की है। मेरा यह बड़ा सौभाग्य रहा है,जो मैं तुम्हें दृष्टिपात कर रही हूँ, और तुम दसों इन्द्रियों के ऊपर संयम करो और विज्ञानवेत्ता बन करके अस्त्रों-शस्त्रों का निर्माण करो, निर्माण करके उनका अभ्यास करो, जिससे अयोध्या राष्ट्र ऊँचा बने और अयोध्या राष्ट्र के ऊँचे बनते ही सर्वत्र, पृथ्वी-मंडल एक पवित्रता की लहरों में परिणित हो जायेगा। इन तरंगों में, वह तरंगित हो करके अपने में अपनेपन को प्राप्त करता रहेगा।''

माता अरुन्धती ने अपना उपदेश दे करके,महात्मा महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज की आज्ञा का पालन करते हुए,माता अरुन्धती ने यह कहा कि ''गृह और विद्यालय तब तपोमय बनते हैं, जब माता-पिता जैसे मैं और महात्मा वशिष्ठ, हम दोनों, जब भी विद्यमान होते हैं तो विज्ञान की चचाएं करते रहते हैं,परमात्मा की सृष्टि को निहारते रहते हैं और परमात्मा की सृष्टि को निहारना,इस प्रकार माता-पिता एक-दूसरे में देवत्त्व की भावनाओं को लेकर के अपने गृह को पवित्र बनाते रहते हैं।'' तो माता अरून्धती ने कहा कि ''तुम्हारे विचार भी, जब तुम एकत्रित होकर विद्यमान हो जाओ,तो आत्मा-परमात्मा को निहारते रहो और परमात्मा के विज्ञान में चले जाओ और प्रकृतिवाद में रमण करते हुए तुम मनस्त्व की धारा को जान करके प्राण में समाहित हो जाओ और प्राण में समाहित हो करके तुम हृदय में ग्राही हो करके और हृदय से हृदय को मिलान करते हुए परमात्मा के हृदय में समाहित होना, जानने के लिये तुम तत्पर हो जाओ।'' ऐसा, माता अरुन्धती ने अपना लघु विचार देते हुए कहा कि ''तथास्तु अमृतम!

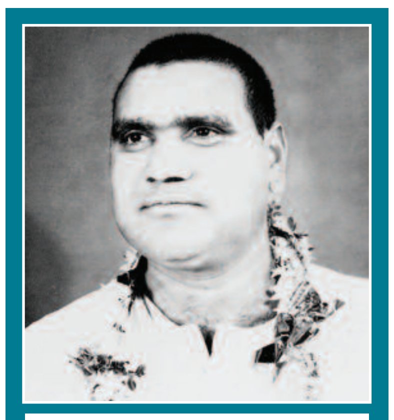

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

माता अरून्धति ने अपना दीक्षांत उपदेश दे करके और दीक्षा के लिये यह कहा। उन्होंने कहा ''दीक्षा देने वाला तो आचार्य होता है, परन्तु जब वह ब्रह्मचारी विद्यालय से अवकाश लेता है,उस समय पूर्ण दीक्षांत-उपदेश दिया जाता है। यह प्रत्येक वर्ष में एक दीक्षा का उपदेश दिया जाता है कि तुम दीक्षित बनो और दीक्षित बन करके तुम अपने में छात्रत्त्व को धारण करो।'' यह दिवस है अथवा यह जो माह है,यह प्रायः परमपिता परमात्मा ने इसलिये बनाया है कि बल का उपार्जन करना और विज्ञान की धाराओं का जानना, इससे प्रत्येक मानव अपने-अपने उद्देश्य में रत्त होता है। कृषक, अपने में ही लक्ष्मी का उपार्जन करता है, अन्न इत्यादि नवीन आता है, इसलिये यह 'दिवसं यह बड़ा पवित्रतम् में वर्णित किया गया है। प्रवचन सन्दर्भ 6-09-1990

दीक्षान्त उपदेश के समय ब्रह्मचारी कबन्धी ब्रह्मचारी सुकेता और ब्रह्मचारी रोहिणीकेतु के सहित जब महर्षि भारद्वाज जी विश्वामित्र के आश्रम में पधारे तो उन्होंने उन्हें आसन दिया,उनका आतिथ्य किया। आतिथ्य करने के पश्चात् नाना वृत्ति के ब्रह्मचारी नतमस्तक हो उनके चरणों को स्पर्श करने लगे,तो महर्षि विश्वामित्र ने कहा कि ''आपके उपदेश और क्रियाकलाप के लिए हम सदैव उत्सुक बने रहते हैं।'' महर्षि भारद्वाज मुनि के यहाँ विशाल से विशाल यन्त्र थे और वह विशाल से विशाल ज्ञान और विज्ञान की उड़ानें उड़ते रहते थे। उन्होंने कहा कि ''हे ब्रह्मचारियो ! तुम्हारा तो अन्तिम चरण है,वह आध्यात्मिकवाद है।

भौतिक विज्ञान तो तुम्हारा महान् है और यह विज्ञान आध्यात्मिकवाद की एक भूमिका कहलाती है। सबसे प्रथम तुम अपने में विज्ञानवेत्ता बनो और अणु-परमाणु के ऊपर अन्वेषण करो।'' विश्वामित्र के आश्रम में नाना प्रकार के यन्त्रों का निर्माण भी होता रहा और उन वैज्ञानिक यन्त्रों में विद्यमान हो करके वह अपने में उड़ानें भी उड़ते रहते थे। प्रवचन सन्दर्भ 21-02-1991 क्रमशः.....

विश्वबन्धुत्व दिवस-25 अगस्त पर

रक्तदान के रूप दादी प्रकाशमणि को अनूठी श्रद्धांजलि

दादी प्रकाशमणि का स्मृति दिवस इस बार कुछ अनूठे ढंग से मनाया जा रहा है। उनकी स्मृति को चिर स्थाई रखने के लिए 22 अगस्त से 25 अगस्त तक देशभर में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया है,जो दादी के परोपकार के संदेश को पुष्ट करता है।

डा. श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्वविधालय का प्रकाश देश विदेश में पहुंचाने और विश्वविधालय के सेवा केन्द्रों का विस्तार दुनिया के 140 देशों में साढे आठ हजार की संख्या तक करने का श्रेय अगर परमात्मा के बाद किसी को जाता है तो वह ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्यप्रशासिका रही दादी प्रकाशमणि है।

आध्यात्म के रास्ते राजयोग के माध्यम से सीधे परमात्मा शिव का बोध कराने वाली इस सस्था ने दुनिया से विकारों को दूर करने तथा पावन पवित्र बनने का ऐसा अभियान चलाया कि सस्था में जो साधक सख्या 400 तक थी,वह आज लाखों में है। जिसके लिए दादी प्रकाशमणि का कुशल नेतृत्व ही सफलता का कारक रहा है। दादी प्रकाशमणि कही कुशल प्रशासक नजर आती तो कही प्यार की मूरत के रूप में सबको प्यार का सन्देश दे रही होती।दिव्य गुणों की खान प्रकाशमणि का व्यक्तित्व चुम्बकीय था यानि जो भी एक बार दादी के सर्म्पक में आ जाता तो उनका मुरीद हो जाता। सभी को उमंग ,उत्साह,सीख और आगे बढने की प्रेरणा देने वाली दादी प्रकाशमणि ब्रहमाकुमारीज मिशन के प्रमुख पद पर रहते हुए भी एक आम इंसान की तरह थी और स्वयं को शिव बाबा का ट्रस्टी समझकर बडी से बडी समस्या का हल मिनटो में निकाल देती थी। उन्हे विश्व एकता की की संवाहक माना जाए तो गलत नही होगा।

दादी प्रकाशमणि कही कुशल प्रशासक नजर आती तो कही प्यार की मूरत के रूप में सबको प्यार का सन्देश दे रही होती।दिव्य गुणों की खान प्रकाशमणि का व्यक्तित्व चुम्बकीय था यानि जो भी एक बार दादी के सर्म्पक में आ जाता तो उनका मुरीद हो जाता।

दिव्य विभूति दादी प्रकाशमणि का जन्म एक जून सन 1922 को पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त अन्तर्गत हैदराबाद में हुआ था। जब सन 1937 में उस समय के प्रसिद्ध हीरा व्यापारी एवं जाने माने सेठ दादा लेखराज को परमात्मा के सत्य स्वरूप व भावी नई दुनिया का अलौकिक साक्षात्कार हुआ और उन्होने अपनी सारी सम्पत्ति बल्र्ड रिन्यूवल ट्रस्ट का निर्माण कर नई दुनिया की स्थापना के लिए उसमें निहीत कर दी। वही मात्र 14 वर्ष की आयु में रमा देवी नामक बालिका ने दादा लेखराज के प्रति पुत्रीवत समर्पण करके अलौकिक ईश्वरीय ज्ञान रूपी यज्ञ में आहुति डालने का काम किया।जिससे उन्हे भी ज्योति स्वरूप शिव व नई सतयुगी दुनिया के साक्षात्कार हुए और वे रमा देवी से प्रकाशमणि बन गई।

हर किसी का मधुर मुस्कान से स्वागत कर दिल जीत लेने वाली कर्मयोगिनी प्रकाशमणि की पवित्रता और सरलता के सभी कायल थे। उन्होने जीवनभर प्यार की सौगात दी और जीवन जीने की कला जनसामान्य को सिखायी। प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्वविधालय को पांच द्वीपों तक फैलाने में दादी प्रकाशमणि का अहम योगदान है। जिनके नेतृत्व में सस्था ने देश विदेश में तरक्की की और मधुबन का इतना विस्तार किया कि आज माउन्ट आबू की पहचान ही मधुबन यानि बाबा का धर से होने लगी है। चाहे शान्ति वन का विशाल परिसर हो और उसमें स्थित 20 हजार व्यक्तियों की क्षमता का डायमण्ड सभागार अथवा उसी परिसर में 35 हजार से 50 हजार तक के व्यक्तियों की भोजन निर्माण व्यवस्था की नई प्रदुषण रहित कीचन या फिर मनमोहिनी भवन,रेडियों मधुबन,पीस आफ माइण्ड चैनल,गाडली वुड फिल्म स्टूडियों ,ज्ञानामृत एवं ओम शान्ति मीडिया समाचार पत्र,ज्ञान सरोवर,पाण्डव भवन,यूनिवर्सल सभागार, पीस पार्क का आधुनिकीकरण सबकुछ दादी प्रकाशमणि की दूरदर्शिता ,कुशल नेतृत्व व कर्मशीलता की देन है। लेकिन फिर भी दादी प्रकाशमणि एक आम इसांन ही बनी रही और परमात्मा शिव व ब्रहमा बाबा की ट्रस्टी बनकर संस्था में चार चांद लगाती रही।

जहां पडे कदम वही सफलता का इतिहास लिख देने वाली प्रकाशमणि विनम्रता की प्रतिमूर्ति थी,गुणों की खान थी,अनुभव की निधि थी और फरिश्ता समान होकर सबके दुख हर लेने वाली देवी थी। आत्म विश्वास से लबरेज दादी प्रकाशमणि ने कथनी और करनी में समानता रखी और सत्यता की शक्ति से एकता की सूत्रधार बनकर दुनिया भर को शान्ति,सुख और सर्वगुण सम्पन्नता की राह दिखाई।तभी तो उन्हे अन्तराष्ट्रीय शान्तिदूत होने का सम्मान हासिल हुआ।

दादी प्रकाशमणि ऐसी आध्यात्म ज्ञान की विभूति थी जिन्होने देशविदेश में बडी से बडी हस्ती को ईश्वरीय ज्ञान दिया और परमात्मा की सत्ता का बोध उन्हे कराया। तभी तो पाश्चात्य सभ्यता को छोडकर अनेक देशी विदेशी भाई बहन न सिर्फ विकारो को त्यागकर शिव बाबा के ज्ञान में आये बल्कि पावन व पवित्र बनकर दुनिया में बदलाव का सन्देश दिया। तभी तो दादी प्रकाशमणि को आध्यात्म ज्ञान का ज्योतिपूंज माना जाता है। जो शरीर छोड देने के बाद भी आत्मस्वरूप में दुनिया को प्रकाशमान किये हुए है। इसीलिए वे रमादेवी के बजाए प्रकाशमणि कहलाती है। 25 अगस्त सन 2007 में दादी प्रकाशमणि ने माउन्ट आबू में ही अपने नश्वर शरीर को त्याग दिया और परमात्मा के पास जाकर आत्म स्वरूप में लीन हो गई। तभी से ब्रहमाकुमारीज परिवार दुनियाभर में दादी प्रकाशमणि के शरीर मुक्ति दिवस को विश्व बन्धुत्व दिवस के रूप में मनाता है।ऐसी महान दिव्य विभूति दादी प्रकाशमणि को उनके स्मृति दिवस यानि विश्व बन्धुत्व दिवस पर शत शत नमन।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादकः चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइलः 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

बागपत में गन्ना पेराई सत्र अक्टूबर-नवंबर से शुरू करने की तैयारी

विश्व बंधु शास्त्री

● जिलाधिकारी ने की गन्ना भुगतान की समीक्षा

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत कलेक्ट्रेट सभागार में आज गन्ना भुगतान के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जनपद बागपत सहित समीपवर्ती जनपदों की चीनी मिलों द्वारा गन्ना खरीद, देय गन्ना मूल्य, अब तक किए गए भुगतान एवं अवशेष की स्थिति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस बार गन्ना पेराई सत्र अक्टूबर नवंबर माह में करने की योजना पर विचार किया गया।

शुक्रवार को हुई बैठक में जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने निर्देश दिए कि किसानों को उनके गन्ने का भुगतान समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जाना प्राथमिकता है। किसानों की आय से सीधा संबंध होने के कारण भुगतान में किसी भी प्रकार की शिथिलता अस्वीकार्य होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय सीमा में बकाया भुगतान नहीं किया गया तो प्रशासनिक स्तर पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।

बागपत जनपद की स्थिति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि बागपत चीनी मिल में 44.91 लाख कुंतल गन्ना आपूर्ति हुई थी, जिसके सापेक्ष 16,438.93 लाख रुपये देय थे और इसका शत-प्रतिशत भुगतान कर दिया गया है।

इसी प्रकार रमाला चीनी मिल में 81.51 लाख कुंतल गन्ना आपूर्ति पर 30,052.30 लाख रुपये देय थे, जिसका पूर्ण भुगतान किया जा चुका है। मलकपुर चीनी मिल की स्थिति पर विशेष चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने शेष बकाया राशि का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान अन्य जनपदों की चीनी मिलों की स्थिति भी प्रस्तुत की गई। मेरठ जनपद की किनौनी चीनी मिल में 68.41 लाख कुंतल गन्ना आपूर्ति के सापेक्ष 24,795 लाख रुपये देय थे, जिसमें से 17,796 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है तथा 6,999 लाख रुपये की राशि अभी लंबित है। मुजफ्फरनगर जनपद की भैंसाना चीनी मिल में 22.34 लाख कुंतल गन्ना आपूर्ति पर 8,071.10 लाख रुपये देय थे, जिसमें से 5,631.02 लाख रुपये का भुगतान हो चुका है तथा 2,440.08 लाख रुपये की राशि अवशेष है। इसी क्रम में शामली जनपद की ऊन चीनी मिल में 7.87 लाख कुंतल गन्ना आपूर्ति पर 2,840.81 लाख रुपये देय थे, जिसमें से 1,974.46 लाख रुपये का भुगतान किया गया है और 866.35 लाख रुपये शेष हैं। गाजियाबाद जनपद की मोदीनगर चीनी मिल में 8.54 लाख कुंतल गन्ना आपूर्ति पर 3,083.91 लाख रुपये देय थे, जिसमें से 1,964.00 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है तथा 1,119.91 लाख रुपये की राशि लंबित है। इसके अतिरिक्त दौराला चीनी मिल, तितावी चीनी मिल, खतौली चीनी मिल, मंसूरपुर चीनी मिल एवं शामली चीनी मिल में शत-प्रतिशत भुगतान पूरा किया जा चुका है। बैठक में आगामी अक्टूबरझ्नवंबर माह से आरंभ होने वाले पेराई सत्र की तैयारियों पर भी विचार किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी चीनी मिलें समय रहते अपने-अपने संयंत्रों का आवश्यक मेंटेनेंस कार्य पूर्ण करें। साथ ही गन्ना सर्वेक्षण (सट्टा सर्वे) कार्य पारदर्शिता और सटीकता के साथ किया जाए ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

इसके अतिरिक्त शुगर मिलों के निकटवर्ती नदियों में सिल्ट कैचर की व्यवस्था सुनिश्चित करने और कृष्णा नदी को स्वच्छ एवं प्रदूषण रहित बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।इस अवसर पर जिला गन्ना अधिकारी अमर प्रताप सिंह, रमाला शुगर मिल प्रबंधक विवेक यादव, किनौनी शुगर मिल यूनिट हेड केपी सिंह सहित विभिन्न चीनी मिलों के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्रकारों को संगठित होना वर्तमान समय की मांग: अतुल प्रधान

उपज पत्रकार सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी का भव्य आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। शहर के मीठेपुर मार्ग स्थित ग्रीन वैली फार्म हाउस में बुधवार को उपज पत्रकार सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत लावड़ के चेयरपर्सन पति हाजी शकील कुरैशी ने की, जबकि संचालन शहजाद सिद्दीकी ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरधना विधायक अतुल प्रधान उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपज जिलाध्यक्ष अजय चौधरी, वरिष्ठ पत्रकार शादाब रिजवी, वरिष्ठ पत्रकार रवि शर्मा, दिनेश चंद्रा, उपज कोषाध्यक्ष विश्वास राणा, उपज बागपत जिला अध्यक्ष मनोज उज्जवल,उपज महामंत्री ललित ठाकुर एवं महानगर अध्यक्ष पवन शर्मा सहित अनेक पत्रकार शामिल हुए।

समारोह में शहरी एवं देहात क्षेत्र के लगभग 100 पत्रकारों ने शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अतुल प्रधान ने पत्रकारिता के समक्ष आ रही चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अतीत और वर्तमान पत्रकारिता की परिस्थितियों की तुलना करते हुए पत्रकारों की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। पत्रकारों को वर्तमान समय में संगठित होने की बात कही।

वरिष्ठ पत्रकार शादाब रिजवी ने कहा कि आधुनिक युग में पत्रकारिता को तकनीक का लाभ मिला है, वहीं चुनौतियाँ भी बढ़ी हैं। उपज जिलाध्यक्ष अजय चौधरी ने संगठन की गतिविधियों एवं पत्रकारों की समस्याओं के समाधान हेतु संगठन द्वारा उठाई जा रही आवाज पर विस्तार से चर्चा की।

वरिष्ठ पत्रकार रवि शर्मा ने कहा कि चाहे कोई किसी बड़े बैनर से जुड़ा हो या छोटे से, अंततः संगठन की आवश्यकता सभी को होती है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को संगठित होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करनी चाहिए। वहीं दिनेश चंद्रा ने मेरठ जनपद में पत्रकार हितों के लिए भविष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। अंत में चेयरपर्सन पति हाजी शकील कुरैशी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को नोमान रिजवी, मोहन सैनी, राजू शर्मा, अरुण सागर, ताज मोहम्मद एवं जयवीर त्यागी सहित कई पत्रकारों ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम संयोजक के रूप में आरिफ कुरैशी, मोहम्मद रविश एवं जर्रार सैफी रहे। इस दौरान जयवीर त्यागी, ताज मोहम्मद, नुकुल चतुर्वेदी, राजू शर्मा, अरुण सागर,राजीव शर्मा,राजन सोनकर,दीपक वर्मा, लोकेश, शाहरुख सैफी, सचिन, इसरार अंसारी,अखिल गौतम, डॉ. इकबाल मलिक, गौरव गुप्ता, नायाब रिजवी, साईम रिजवी, यादराम जाटव, अभिलाष, विश्वास राणा, ललित ठाकुर, विकास गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने किया स्वर्ण पदक विजेता को सम्मानित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। जनपद के सरूरपुर कला गांव के मल्ल प्रिंस नैन ने स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित मण्डलीय कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर डीएम अस्मिता लाल ने शनिवार को अपने कार्यालय में सम्मानित कर हौसला बढ़ाया। प्रिंस नैन ने मंडलीय कुश्ती प्रतियोगिता में अंडर 17 ग्रिको रोमन 60 किग्रा. भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इस प्रदर्शन के आधार पर प्रिंस का चयन गोरखपुर में होने वाली राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए हुआ है। पदक विजेता प्रिंस को डीएम अस्मिता लाल ने सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल में प्रतिभाओं की कमी नहीं है केवल उन्हें संवारने की आवश्यकता है। इससे पूर्व प्रिंस ने 2024-25 में नेशनल स्कूल गेम में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए काँस्य पदक जीता। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी पंकज वर्मा, राजू तोमर सिरसली, सुभाष नैन आदि उपस्थित रहे।

सर्वाधिक रक्तदान करने पर बागपत के पिता पुत्र दिल्ली में रक्त वीर सम्मान से सम्मानित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। उत्तर प्रदेश में बागपत के अग्रवाल मंडी टटीरी के रहने वाले पिता पुत्र को सर्वाधिक रक्तदान करने पर दिल्ली में आयोजित एक समारोह में एक संस्था की ओर से रक्तवीर सम्मान से सम्मानित किया गया।

जनपद के व्यापारी नेता समाजसेवी अभिमन्यु गुप्ता ने दिल्ली से लौटकर बताया कि मंगलवार रात में दिल्ली के अशोका होटल के वेंकट हॉल में अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें देश विदेश के 50 से ज्यादा रक्त वीरों को लद्दाख के उप राज्यपाल महामहिम कविंदर गुप्ता के कर कमल से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में बागपत के अभिमन्यु गुप्ता को 56 बार और उनके सुपुत्र अनुराग जिंदल को 62 बार रक्तदान करने पर रक्त वीर सम्मान से नवाजा गया। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने कहा कि यह उनके लिए बहुत ही अद्भुत क्षण के पल हैं जिसमें उनको एक पिता पुत्र को सर्वाधिक रक्तदान करने पर उनको सम्मानित करने पर गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा, देश विदेश के 50 से ज्यादा रक्त वीरों को 50 से ज्यादा बार रक्तदान करने के लिए सम्मानित करना रक्त वीरों को प्रोत्साहित करना एवं अन्य व्यक्तियों में रक्तदान की भावना को प्रेरित करने का कार्य किया गया है। इस अवसर पर गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग ने कहा आईवीएफ ने रक्त वीरों का सम्मान कर पूरे राष्ट्र में यह अनूठी पहल की है। समारोह की अध्यक्षता अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने की। उन्होंने कहा कि पिछले दो माह में पूरे देश में आईवीएफ के माध्यम से एक लाख से ज्यादा यूनिट रक्तदान लेकर देश के विभिन्न रक्त बैंकों को रक्त प्रदान कराया है, इसके लिए आयोजक व रक्तदाता बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर देश-विदेश से 500 के लगभग प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बागपत की छोटी एवं सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने को चलेगा अभियान

जनपद के 12 गाँवों तक पहुंचेगी निर्मल जलधारा, ग्रामीणों व कृषकों को मिलेगा लाभ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। जनपद की छोटी एवं सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने और उनके कायाकल्प की दिशा में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अस्मिता लाल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन हुआ जिसमें हिंडन की सहायक नदियों एवं जलधाराओं तथा उनसे जुड़े नालों के पुनरोद्धार के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई।

कार्ययोजना के तहत पंचायती राज विभाग, जल निगम, लघु सिंचाई विभाग और वन विभाग को जनपद में छोटी एवं सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने हेतु समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं जिसमें अतिक्रमण युक्त क्षेत्र को कब्जा मुक्त कराने, गहराई चौड़ाई बढ़ाने, पौधारोपण करने जैसे कार्य कर जल का अविरल प्रवाह सुनिश्चित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग आपसी तालमेल से ठोस कार्ययोजना लागू करें और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

योजना के अनुसार जनपद के 29 किमी लंबे हिस्से में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान नालों व जलधाराओं को अतिक्रमण और गंदगी से मुक्त कराया जाएगा। मिट्टी, कचरे व अपशिष्ट की सफाई कर उन्हें फिर से जल प्रवाह योग्य बनाया जाएगा। इससे न केवल जल स्रोतों की स्वच्छता बढ़ेगी बल्कि प्राकृतिक धारा को भी पुनर्जीवित किया जा सकेगा। अभियान से जनपद में जल संग्रहण क्षेत्र में वृद्धि होगी जिसमें जल संचय होने से जनपद के भूजल स्तर में भी सुधार आएगा। कृषकों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा और जनपद के 12 गाँवों में असारा, अशरफाबाद थल, इब्राहीमपुर माजरा, कंडेरा, गांगनौली, दादरी, बरनावा, बामनौली, मौजिजाबाद नांगल, रंछाड़, रहतना, सुजती तक निर्मल जलधारा पहुँच सकेगी। साथ ही इससे नदियों का सांस्कृतिक व पर्यावरणीय महत्व भी पुनः स्थापित होगा। इन सभी गांवों का सर्व किया जा चुका है। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने बताया कि जनपद के कुल 29 किमी लंबे क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया जाएगा जिसमें नालों और जलधाराओं को अतिक्रमण एवं गंदगी से मुक्त कर उनका स्वरूप पुनः संवारा जाएगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी पंकज वर्मा, जिला पंचायती राज अधिकारी अरुण अत्री आदि अधिकारीगण मौजूद रहे।

बागपत में बिना परमिट, फिटनेस के दौड़ रहे 192 एक्सपायर स्कूल वाहन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों के ऊपर जान का खतरा मंडरा रहा है, और यह खतरा किसी अन्य से नहीं बल्कि स्कूलों में बच्चों को ढो रहे बिना परमिट फिटनेस व एक्सपायर वाहनों की वजह से है। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने ऐसे वाहनों की जांच कराने के आदेश दिए है।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने बताया कि जनपद में संचालित विद्यालयों के परिवहन साधनों की जांच में यह तथ्य सामने आया है कि विद्यार्थियों को लाने-ले जाने हेतु संचालित विद्यालयी वाहनों में अनियमितताएं पाई गई हैं। जांच में पाया गया कि 108 वाहन बिना परमिट, 55 वाहन बिना फिटनेस तथा 29 वाहन एक्सपायर फिटनेस के साथ विद्यालयों में संचालित हो रहे हैं। इस बाबत सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि जिन विद्यालयों में ऐसे वाहन संचालित हो रहे हैं, वहां के प्रधानाचार्य अथवा वाहन स्वामी स्वयं आगे आकर कार्यालय सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, बागपत में जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे वाहन जिनकी निर्धारित आयु पूर्ण हो चुकी है या जो बिना वैध कागजातों के विद्यालयों के बाहर अथवा विद्यालय परिसर में संचालित पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी तथा पंजीकरण निरस्त करने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए बिना परमिट, बिना फिटनेस अथवा एक्सपायर फिटनेस वाले वाहनों का संचालन किसी भी दशा में स्वीकार्य नहीं है। विद्यालय प्रबंधन एवं वाहन स्वामियों से अपेक्षा की गई है कि वे इस संबंध में सहयोग करें एवं आवश्यक जानकारी तत्काल उपलब्ध कराएं।

भारतीय संस्कृति, सांस्कृतिक सुधार व हिंदू राष्ट्र निर्माण संगठन का एक मात्र लक्ष्य: उपेंद्र नाथ सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

वाराणसी। जय भारत मंच के काशी प्रांत अध्यक्ष उपेंद्र नाथ सिंह ने एक दिवसीय संगठनात्मक बैठक में सभी कार्यकताओं से मिले और संगठन के कार्य के बारे में बताया । उपेंद्र जी ने कहा कि संगठन के मुख्य उद्देश्य हैं हिंदू समुदाय को संगठित करना, भारतीय संस्कृति और मूल्यों को बढ़ावा देना, और हिंदू राष्ट्र के निर्माण में योगदान करना। वरिष्ठ महामंत्री संपूर्णा नंद पाण्डेय ने बताया कि आज के बैठक में सभी का यही है कि हिंदू धर्म और संस्कृति की रक्षा करना और हिंदू राष्ट्रवाद को बढ़ावा देना है। हिंदू समाज को एक मजबूत और एकजुट शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहते हैं।

पाण्डेय जी ने आगे कहा कि हम सभी लोग मिलकर हिंदू धर्म, रीति-रिवाजों, और परंपराओं को संरक्षण और प्रचार करने का प्रयास करे। महामंत्री रामजी सिंह ने कहा कि संगठन एक ऐसे राष्ट्र की परिकल्पना करते हैं जो हिंदू संस्कृति और मूल्यों पर आधारित हो सामाजिक और सांस्कृतिक सुधार हो।सामाजिक बुराइयों को दूर करने और हिंदू समाज को आधुनिक बनाने के लिए भी काम करते रहे।मंत्री सुजीत गुप्ता ने कहा कि धार्मिक समानता हिंदू धर्म में व्याप्त जाति व्यवस्था और अन्य असमानताओं को दूर करने का प्रयास करे।

प्रांत वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश सिंह ने कहा कि हम सभी भारतीय राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा दे और हिंदुओं की सुरक्षा और संरक्षा को भी अपना उद्देश्य माने। उपाध्यक्ष डॉ हरकेश तिवारी ने बताया कि हम सभी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) एक प्रमुख हिंदुत्व संगठन है जिसका उद्देश्य 'हिंदू समाज को संगठित और समेकित करना' है।यही उद्देश्य हम सभी जय भारत मंच के लोगो का भी होना चाहिए। उपाध्यक्ष अजय सोनकर आशु जी ने कहा कि यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि हिंदुत्व एक जटिल विचारधारा है और इसके विभिन्न पहलुओं पर अलग-अलग दृष्टिकोण हैं। महिला प्रमुख किरण सिंह ने कहा लोग इसे एक सकारात्मक शक्ति मानते हैं जो हिंदू समुदाय को सशक्त बनाने और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद करती है। वहीं, कुछ लोग इसे एक संकीर्ण और विभाजनकारी विचारधारा मानते हैं जो अल्पसंख्यक समुदायों के प्रति असहिष्णुता को बढ़ावा देती है। हम सभी का एक मात्र लक्ष्य ये हो की देश को हिंदू राष्ट्र बनाना है। कार्यक्रम में सुषमा सिंह, अरुण पाण्डेय, रंगनाथ जी, अनिल सिंह,किशन सिंह, सैकड़ों संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बेहतरीन नगरीय अवस्थापना का मानक बनेंगी जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाएं: मुख्यमंत्री

जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाओं में गौरव पथ, स्मार्ट क्लासरूम, ईवी स्टेशन व डिजिटल सेवाएँ विकसित होंगी: मुख्यमंत्री

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला मुख्यालयों वाली नगर पालिकाओं को स्मार्ट और विकसित नगर पालिका के रूप में विकसित करने की योजना का क्रियान्वयन प्रारम्भ करने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को नगर विकास विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्ट-विकसित नगर पालिका योजना का उद्देश्य जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाओं को आधुनिक, आत्मनिर्भर और नागरिक-केंद्रित स्वरूप में विकसित करना है।

उन्होंने निर्देश दिया कि इस पर यथाशीघ्र कार्य प्रारंभ किया जाए। अधिकारियों ने अवगत कराया कि योजना के अंतर्गत नगर पालिकाओं में गौरव पथ, पिंक टॉयलेट, शहरी सुविधा केंद्र, स्मार्ट क्लासरूम व आंगनबाड़ी, थीम आधारित पार्क, ऐतिहासिक धरोहर संरक्षण, जलाशयों का पुनर्जीवन, ईवी चार्जिंग स्टेशन, ग्रीन क्रेमेटोरियम और डिजिटल सेवाओं जैसी आधुनिक सुविधाएँ विकसित की जाएँगी।

साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए उत्सव भवन, सामुदायिक केंद्र और ह्वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्टह्व आधारित ढाँचे भी स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना को हब-एंड-स्पोक मॉडल पर लागू किया जा सकता है। उदाहरणस्वरूप, लखनऊ और गोरखपुर स्थित एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सेंटर से समीपवर्ती जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाओं को जोड़ा जा सकता है। इससे नगर पालिकाओं को सुरक्षा, निगरानी और शिकायत निवारण जैसी सेवाओं में आधुनिकता मिलेगी तथा संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक नगर पालिका में परियोजनाओं का चयन स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर किया जाए और वित्तीय संसाधनों का आवंटन नगर निकायों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के अनुसार किया जाए।

अधिकारियों ने बताया कि नगर निकायों को 4 करोड़ से 10 करोड़ रुपये तक का अनुदान उपलब्ध कराए जाने का प्रस्ताव है, जो उनकी जनसंख्या और कार्यदक्षता पर आधारित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाओं को विकसित-स्मार्ट स्वरूप देने से न केवल आधारभूत संरचना सुदृढ़ होगी, बल्कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी सेवाएँ भी मिलेंगी। बैठक में लखनऊ और कानपुर में 200 इलेक्ट्रिक बसों को नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मोड पर संचालित करने तथा अन्य नगरों में 650 बसों की प्रत्यक्ष खरीद का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और इसके लिए आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर भी शीघ्र तैयार किया जाए।

एक अन्य महत्वपूर्ण निर्देश में मुख्यमंत्री ने सभी नगर निगमों में निवासियों के विविध कर बकाये में विसंगतियों के तत्काल समाधान पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अभियान चलाकर लोगों से आपत्तियां आमंत्रित की जाएं और समाधान शिविर लगाकर नागरिकों की समस्याओं का यथोचित व संतुष्टिपरक समाधान कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी नगर निकायों के पास अपना भवन होना चाहिए।

बैठक में नगर निकायों की वित्तीय स्वीकृति सीमाओं को बढ़ाने की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि बीते लगभग 20 वर्षों से इन सीमाओं में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 74वें संविधान संशोधन की भावना के अनुरूप नगर निकायों को अधिक वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार मिलने चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि नगर आयुक्त, महापौर, कार्यकारिणी समिति तथा नगर निगम बोर्ड की वित्तीय स्वीकृति सीमाओं का तत्काल विस्तार किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने लखनऊ में शहीद चंद्रशेखर आजाद अंतरराष्ट्रीय शूटिंग रेंज एवं बहुउद्देश्यीय खेल परिसर की स्थापना के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को पीपीपी मोड पर प्राथमिकता के साथ प्रारम्भ किया जाए, जिससे प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान मिले और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हों।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड में चमकेगा फुटवियर-लेदर उद्योग

योगी सरकार की नई नीति से मध्यांचल, पूर्वांचल और बुंदेलखंड को मिलेगा विशेष लाभ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश फुटवियर, लेदर और नॉन-लेदर क्षेत्र विकास नीति 2025 का सबसे बड़ा फोकस प्रदेश के अपेक्षाकृत पिछड़े क्षेत्रों–मध्यांचल, पूर्वांचल और बुंदेलखंड पर है।

योगी सरकार ने इन इलाकों में उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए भूमि लागत अनुदान और पूंजीगत सब्सिडी में विशेष रियायतें दी हैं। इसका सीधा असर यहां के औद्योगिक विकास, रोजगार और निवेश पर पड़ेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट विजन है कि औद्योगिक विकास केवल पश्चिमी यूपी तक सीमित न रहे, बल्कि पूर्वी यूपी और बुंदेलखंड भी देश-विदेश में औद्योगिक मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बनाएं। नई नीति इसी विजन को आगे बढ़ाने का ठोस कदम है।

पूंजीगत सब्सिडी बनेगी उद्योगपतियों के लिए सुनहरा अवसर

लेदर और फुटवियर बनाने वाली कंपनियों को ज्यादा फायदा देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार, केंद्र सरकार की मदद के अलावा अतिरिक्त पूंजी निवेश सब्सिडी भी देगी। इसके तहत, स्टैंड अलोन इकाइयों को मध्यांचल, पूर्वांचल और बुंदेलखंड में 30% पूंजीगत सब्सिडी, अधिकतम 45 करोड़ (5 वर्षों में) मिलेगी। पश्चिमांचल के लिए यह 20% और अधिकतम 30 करोड़ रुपए (5 वर्षों) तक का लाभ मिलेगा। इसी तरह, एलाइड लेदर यूनिट को पूरे प्रदेश में 25% पूंजीगत सब्सिडी मिलेगी, लेकिन इन क्षेत्रों में इसे और ज्यादा प्राथमिकता दी जाएगी। मेगा एंकर यूनिट और क्लस्टर को यहां 35% पूंजीगत सब्सिडी, अधिकतम 700 करोड़ रुपए (5 वर्षों में) तक मिलेगी। एक इकाई को सालाना 140 करोड़ रुपए से अधिक लाभ नहीं मिलेगा। वहीं, पश्चिमांचल के लिए यह लाभ 120 करोड़ रुपए सालाना होगा।

भूमि लागत अनुदान में पूर्वी यूपी को बड़ी रियायत

नीति के तहत, स्टैंड अलोन फुटवियर, लेदर उत्पाद और मशीनरी इकाइयों को मध्यांचल, पूर्वांचल और बुंदेलखंड में 35% तक भूमि लागत अनुदान मिलेगा, जबकि पश्चिमांचल क्षेत्र में यह 25 प्रतिशत होगा। वहीं, मेगा एंकर यूनिट और क्लस्टर को इन क्षेत्रों में 80% तक भूमि लागत अनुदान का लाभ मिलेगा, पश्चिमांचल के लिए यह 75% होगा । यह लाभ विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इन इलाकों में उद्योगों की स्थापना की लागत अपेक्षाकृत अधिक मानी जाती है। भूमि सब्सिडी का फायदा सिर्फ उसी जमीन पर मिलेगा जो औद्योगिक प्राधिकरण, राज्य सरकार के संस्थान या इस नीति के तहत बने क्लस्टर से ली गई हो। सब्सिडी की रकम जमीन के वास्तविक आवंटन मूल्य पर तय होगी, लेकिन इसमें स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस नहीं जोड़ी जाएगी। अगर कोई इकाई भूमि सब्सिडी लेती है, तो आगे मिलने वाली पूंजीगत सब्सिडी की गणना करते समय जमीन की कीमत नहीं गिनी जाएगी।

रोजगार और निवेश का नया केंद्र बनेगा पूर्वी यूपी

योगी सरकार का लक्ष्य इन क्षेत्रों को नए निवेश और उद्योगों का गढ़ बनाना है। राजधानी लखनऊ समेत कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, झांसी, चित्रकूट, आजमगढ़ और बांदा जैसे जिलों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इस नीति से जहां एक ओर स्थानीय स्तर पर लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर प्रदेश की वैश्विक पहचान फुटवियर और लेदर उत्पादों के प्रमुख निर्यातक के रूप में बनेगी।

साइबर अपराधियों पर योगी सरकार की पैनी नजर

योगी सरकार ने प्रदेश को 13 कैबिनेट्स और 75 मोबाइल फॉरेंसिक वैन की दी सौगात: डॉ. गोस्वामी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। योगी सरकार कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं टेक्नोलॉजी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसी के तहत प्रदेश में फॉरेंसिक साइंस को बढ़ावा दिया जा रहा है। यही वजह है कि सीएम योगी के निर्देश पर फोरेंसिक साइंस को कानून प्रवर्तन में अनिवार्य किया गया है। योगी सरकार पिछले आठ वर्षों में आधुनिक फोरेंसिक लैब स्थापित करने, साइबर अपराधों से निपटने के लिए अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने और पुलिस-फॉरेंसिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। इसी के तहत नोएडा में शुक्रवार को साइबर क्राइम को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया।

डॉ. जी.के. गोस्वामी ने बताया कि आज के दौर में धन से भी अधिक मूल्यवान डाटा है। साइबर क्राइम और डिजिटल डेटा चोरी में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, इसलिए सोशल मीडिया पर डाटा साझा करते समय सावधानी बरतना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जैसे वित्तीय ऑडिट होता है, वैसे ही अब डाटा ऑडिट भी अनिवार्य होगा।

उन्होंने डेटा इंश्योरेंस को भविष्य की बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि जैसे फसल, स्वास्थ्य और अग्नि बीमा होता है, वैसे ही आने वाले समय में डिजिटल इंश्योरेंस भी आम आदमी तक पहुंचेगा। इसके अलावा उन्होंने डीएनए कुंडली की अवधारणा पर चर्चा करते हुए बताया कि भविष्य में जेनेटिक साइंटिफिक एनालिसिस के आधार पर नई संभावनाएं सामने आएंगी।

कार्यशाला ने स्पष्ट किया कि डिजिटल युग में डेटा सुरक्षा केवल तकनीकी चुनौती नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। योगी सरकार विशेषज्ञों और नागरिकों के संयुक्त प्रयास से ही साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में लगातार काम कर रही है।

आने वाले समय में डाटा चोरी पर लगेगा 250 करोड़ रुपये तक का दंड

कार्यशाला में डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों और उनसे निपटने की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यशाला में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस के संस्थापक निदेशक डॉ. जी. के. गोस्वामी, एडिशनल सीपी अजय कुमार सहित उद्यमियों, बैंकिंग सेक्टर के प्रतिनिधियों, आरडब्ल्यूए के सदस्यों, सोशल वर्कर्स और पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 250 से अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति ने साइबर सुरक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाया। कार्यशाला में साइबर ऑडिट, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (ड्ढद्रड्ढ)एक्ट और डाटा सुरक्षा के महत्व पर विस्तृत चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि आने वाले समय में डाटा चोरी पर 250 करोड़ रुपये तक के दंड का प्रावधान होगा। इस दौरान यूपी में फोरेंसिक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए किए गए प्रयासों की भी जानकारी दी गई, जिसमें 13 कैबिनेट्स की स्थापना और राज्य के सभी 75 जिलों में मोबाइल फोरेंसिक वैन की तैनाती शामिल है।

एल्गिन का फार्मूला... करोड़ों की बचत लाखों को फायदा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच और सूझबूझ से वर्षों की समस्या हुई सॉल्व, किसानों में खुशी की लहर

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। पहाड़ी और मैदानी इलाकों में लगातार भारी बारिश से प्रदेश के कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। योगी सरकार द्वारा लगातार इन इलाकों में युद्धस्तर पर राहत कार्य किये जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच और प्रशासनिक कुशलता से प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ का प्रभाव देखने को नहीं मिला है। इस बार लखीमपुर खीरी, सीतापुर, पीलीभीत, बाराबंकी समेत दर्जन जिले ऐसे हैं, जहां बाढ़ का प्रकोप न के बराबर है। इसकी मुख्य वजह सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इन जिलों में बहने वाली नदियों में डेजिंग से नदियों का मूल स्वरूप वापस लौट आया और वह दोबारा अपने मूल प्रवाह में बहने लगीं। इसी के तहत शारदा नहर में डेजिंग की गई। इसका नतीजा यह रहा कि जहां पिछले कई वर्षों से शारदा नहर के तेज बहाव से बाढ़ से प्रभावित जिलों में इस बार बाढ़ का प्रकोप देखने को नहीं मिला और लाखों की जनसंख्या में जनमानस और खेतिहर भूमि पर बाढ़ का प्रभाव देखने को नहीं मिला। इतना ही नहीं डेजिंग कार्य से राजस्व को भी करोड़ों का फायदा हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बैठक में उच्च अधिकारियों ने बताया था कि मानूसन के दौरान लखीमपुर खीरी की पलिया क्षेत्र बहने वाली शारदा नहर में पानी का स्तर बढ़ जाता है, जिससे हर साल पलिया और निघासन क्षेत्र के लोग बाढ़ की समस्या से जूझते हैं। इसके साथ ही शारदा नहर के प्रवाह से 12 जिलों में बाढ़ का प्रकोप हर साल रहता है। अधिकारियों ने बताया कि यहां पर शारदा नहर और समपरती भूमि बराबर हो गयी है। इससे हर साल बाढ़ का पानी आस-पास के गांव, खेत और रेलवे लाइन को प्रभावित करता है।

वर्तमान में शारदा में बह रहा 4 लाख क्यूसेक पानी

प्रदेश के करीब 12 जिलों से होकर शारदा नहर प्रवाहित होती है। ऐसे में मानूसन के दौरान जब नेपाल में भारी बारिश होती है तो वहां से शारदा नहर में पानी छोड़ दिया जाता है, जिससे शारदा विकराल रूप धारण कर लेती है। वर्तमान में शारदा नहर में 4 लाख क्यूसेक पानी बहर रहा है। इससे प्रदेश के 12 जिलों में बहने वाली शारदा नहर के विकराल प्रवाह से काफी नुकसान होता है। सीएम योगी ने समस्या का संज्ञान लिया। साथ ही सीएम योगी ने लखीमपुर खीरी के शारदा नहर क्षेत्र में वर्षों से चल रही बांध निर्माण की कवायद को महज कुछ मिनटों में सुलझाकर यह साबित कर दिया कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति और व्यवहारिक सूझबूझ से करोड़ों के प्रोजेक्ट को भी कम लागत में और समय रहते पूरा किया जा सकता है।

भ्रष्टाचार पर 'जीरो टॉलरेन्स' की नीति का अनुसरण करते हुए दिया बड़ा

गन्ना विकास विभाग द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल रिश्वत संबंधी आडियों क्लिप पर की कठोर कार्यवाही

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश एवं जीरो टॉलरेंस की नीति का अनुसरण करते हुए गन्ना विकास विभाग में भ्रष्टाचार से संबंधित गंभीर प्रकरण पर त्वरित एवं कठोर कार्यवाही की गई है। सोशल मीडिया पर एक ऑडियो क्लिप वायरल हुई, जिसमें रिश्वत मांगने की बात सामने आई।

उक्त क्लिप की जांच के क्रम में पाया गया कि परिक्षेत्र मुरादाबाद में तैनात प्रधान सहायक संजय कुमार सिंह द्वारा अपने स्वार्थ पूर्ति हेतु सेवानिवृत्त देयों के भुगतान की स्वीकृति में रिश्वत की मांग गयी थी। इसके अतिरिक्त, श्री सिंह द्वारा जिला गन्ना अधिकारी, मुरादाबाद से प्राप्त पत्र में ओवर राइटिंग (अपर लेखन) करते हुए उच्चाधिकारियों को गुमराह किया गया तथा ग्रेच्युटी भुगतान से संबंधित प्रकरणों में अनावश्यक विलंब किया जा रहा था। यह कृत्य उत्तर प्रदेश कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956 के नियम-3 का स्पष्ट उल्लंघन है, उपरोक्त तथ्यों के दृष्टिगत श्री संजय कुमार सिंह, प्रधान सहायक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

गन्ना विकास विभाग द्वारा संजय कुमार सिंह के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही संस्थित करते हुए उन्हें कार्यालय जिला गन्ना अधिकारी, सीतापुर में आबद्ध किया गया है तथा इस प्रकरण की जांच हेतु जिला गन्ना अधिकारी, लखीमपुर को जांच अधिकारी नामित किया गया है।

जांच अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे समस्त औपचारिकताओं को पूर्ण कर आगामी 06 सप्ताह के भीतर अपनी जांच आख्या प्रस्तुत करें। यह कार्रवाई प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति को प्रतिबिंबित करती है और यह संदेश भी देती है कि किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि प्रदेश में कहीं भी भ्रष्टाचार से संबंधित कोई मामला संज्ञान में आता है, तो उस पर कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

गौतमबुद्धनगर और श्रावस्ती आईजीआरएस संतुष्ट फीडबैक में सबसे आगे

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जनसुनवाई प्रणाली को बेहतर और पारदर्शी बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जुलाई माह की रिपोर्ट मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की गई। रिपोर्ट में बताया गया कि पुलिस कमिश्नर, एसएसपी और एसपी स्तर पर गौतमबुद्धनगर ने सबसे अधिक संतुष्ट फीडबैक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि जिलाधिकारी स्तर पर श्रावस्ती जिले ने बाजी मारी।

गौतमबुद्धनगर 98.72 प्रतिशत संतुष्ट फीडबैक के साथ पहले स्थान पर रहा। इसके बाद पीलीभीत (98.23%), बलिया (96.04%), बस्ती (95.43%) और श्रावस्ती (95.14%) का स्थान रहा। इन जिलों ने शिकायतों के समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण में बेहतर कार्य किया है।

जिलाधिकारी स्तर पर श्रावस्ती जिला 90.2 प्रतिशत संतुष्ट फीडबैक के साथ शीर्ष पर रहा। इसके बाद शाहजहांपुर (89.08%), बलरामपुर (83.44%), हमीरपुर (82.15%) और बरेली (80.11%) रहे। इन जिलों में डीएम स्तर पर की गई कार्यवाही से शिकायतकर्ताओं को संतुष्टि मिली है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायत जिस अधिकारी से संबंधित हो, उसकी जांच उसी अधिकारी को न दी जाए। शिकायतों की जांच उच्चाधिकारियों से कराना अनिवार्य किया जाए ताकि न्याय और पारदर्शिता बनी रहे। सीएम योगी ने यह भी कहा कि यदि स्पेशल क्लोज अनुचित पाया जाता है तो प्रस्तावित करने वाले अधिकारी/कर्मचारी पर विभागीय कार्यवाही की जाए। जिलास्तर पर एडीएम/अतिरिक्त मजिस्ट्रेट, एएसपी, डीसीपी या अन्य वरिष्ठ अधिकारी को नामित किया जाए, जो स्पेशल क्लोज करने से पहले शिकायतकर्ता से वार्ता कर उसे संतुष्ट करने का प्रयास करे।

मुख्यमंत्री ने दोहराया कि जनसुनवाई प्रणाली को जनता और सरकार के बीच सीधा संवाद बनाने के लिए सशक्त किया जा रहा है।

शिकायतों के समाधान में पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता योगी सरकार की प्राथमिकता है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर जनता का भरोसा बढ़ा है।

गिरीश पंकज ग्रामीण विकास मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य मनोनीत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

रायपुर। छत्तीसगढ़ राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के प्रांतीय अध्यक्ष गिरीश पंकज को भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा किया गया है। इसके पूर्व भी गिरीश पंकज साहित्य अकादमी के सदस्य एवं राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य रह चुके हैं। गिरीश पंकज पिछले 45 सालों से साहित्य की दुनिया में सक्रिय हैं। विविध साहित्यिक विधाओं में इनकी 125 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। साढ़े आठ हजार पेजों की' गिरीश पंकज रचनावली' भी हाल ही में प्रकाशित हो चुकी है। इनके साहित्यिक अवदान के लिए हिंदी भवन,नई दिल्ली द्वारा व्यंग्यश्री सम्मान तथा उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा साहित्य भूषण सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। पिछले दिनों राही रैंकिंग संस्था की ओर से जो सर्वे किया गया था, उसमें देश के दस महत्वपूर्ण लेखकों में गिरीश पंकज का नाम शामिल किया गया है। हिंदी सलाहकार समिति में गिरीश पंकज के अलावा चेन्नई की मीनाक्षी निधि सुंदर और जोधपुर के रजनीश मोहनोत को भी मनोनीत किया गया है। यहां उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में छत्तीसगढ़ के अन्य तीन लेखकों का भी चयन हुआ है। ये हैं डॉ. चित्त रंजन कर, माणिक विश्वकर्मा नवरंग एवं बलदाऊ राम साहू।

सेहत/स्वास्थ्य

बेदाग निखार पाने के लिए डाइट में शामिल करें ये फूड्स, खिला-खिला दिखेगा चेहरा

घरेलू नुस्खों के इस्तेमाल से स्किन की रंगत को निखारा जा सकता है। हालांकि ग्लोइंग स्किन के लिए सिर्फ स्किन केयर की जरूरत नहीं होती है। इसके लिए कुछ फूड्स होते हैं, जोकि स्किन के लिए जरूरी होते हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे ही सुपरफूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

गर्मी में धूल-पसीने की वजह से हमारी स्किन पर बुरा असर पड़ता है। इससे चेहरे की रंगत डाउन हो जाती है। लड़कियों को अपनी स्किन की सबसे ज्यादा चिंता होती है। ऐसे में लड़कियां मार्केट से कई तरह के महंगे प्रोडक्ट्स खरीदकर इस्तेमाल करती हैं।

लेकिन इन प्रोडक्ट्स में केमिकल्स मिले होते हैं। जिस कारण यह स्किन के लिए हानिकारक होते हैं। ऐसे में आप घरेलू नुस्खे अपना सकती हैं, जिनके आपको ढेरों लाभ मिलते हैं।

इन घरेलू नुस्खों के इस्तेमाल से स्किन की रंगत को निखारा जा सकता है। हालांकि ग्लोइंग स्किन के लिए सिर्फ स्किन केयर की जरूरत नहीं होती है। इसके लिए कुछ फूड्स होते हैं, जोकि स्किन के लिए जरूरी होते हैं।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ही सुपरफूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको दमकती हुई स्किन लौटाने का काम करेंगी।

फल और सब्जियां

फल और सब्जियों में एंटीऑक्सीडेंट्स की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यह आपकी स्किन को जवां बनाए रखने में मदद करता है। आपको अपनी डाइट में मौसमी फलों और हरी सब्जियों को शामिल करना चाहिए। इससे आपको नूरानी निखार मिलेगा।

बेरीज

बेरीज जैसे ब्लूबेरीज और स्ट्रॉबेरीज भी स्किन के लिए काफी फायदेमंद है। यह एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी का अच्छा स्त्रोत है। अगर आप अपनी डाइट में बेरीज को शामिल करती हैं, तो स्किन के दाग-धब्बे दूर होते हैं। वहीं फ्री रेडिकल्स से भी छुटकारा मिलता है और स्किन जवां बनती है।

नट्स और सीड्स

ग्लोइंग स्किन के लिए डाइट में नट्स और सीड्स जरूर शामिल करना चाहिए। नट्स और सीड्स में ओमेगा 3 फैटी एसिड, जिंक, प्रोटीन और सिलेनियम पाया जाता है, जोकि स्किन के लिए फायदेमंद होते हैं। इसका सेवन करने से स्किन सॉफ्ट बनती है और गजब का निखार आता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी सिर्फ वेट लॉस के लिए नहीं बल्कि यह हमारी स्किन को भी जबरदस्त फायदे पहुंचाती हैं। यह स्किन को रेडनेस और सनटैन से बचाती है। ग्रीन टी का सेवन करने से हमारी स्किन यंग नजर आती है।

आंवला

आंवला में विटामिन सी की अच्छी मात्रा पाई जाती है। यह हमारी त्वचा के साथ बालों के भी फायदा पहुंचाने का काम करती है। आंवला को डाइट में कई तरह से शामिल कर सकते हैं। आप आंवला की अचार, चटनी, मुरब्बा और कैंडी के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं आंवला का जूस भी पिया जा सकता है।

पर्यटन

पालमपुर के पास में स्थित इन शानदार हिल स्टेशन को बनाएं डेस्टिनेशन पॉइंट, बिताएं सुकून के पल

"बहुत कम लोग पालमपुर को हिल स्टेशन मानते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पालमपुर के आसपास में स्थित कुछ शानदार हिल स्टेशन्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप सुकून के कुछ पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।"

पालमपुर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले का एक फेमस और खूबसूरत पहाड़ी शहर है। यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा हरे-भरे चाय के बागानों और धौलाधार पर्वत श्रृंखलाओं के लिए भी जाना जाता है। पालमपुर अपने सुंदर प्राकृतिक दृश्यों के लिए भी जाना जाता है। लेकिन इस शहर को बहुत कम लोग हिल स्टेशन मानते हैं। इसलिए लोग पालमपुर के आसपास हिल स्टेशनों की तलाश करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पालमपुर के आसपास में स्थित कुछ शानदार हिल स्टेशन्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप सुकून के कुछ पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।

धर्मशाला

अगर आप भी पालमपुर के पास किसी शानदार हिल स्टेशन घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले धर्मशाला का रुख करते हैं। वहीं अगर आप धर्मशाला घूमने जा रहे हैं, तो यहां से करीब 5 किमी दूर स्थित मैक्लोडगंज को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। गर्मियों में यहां पर देश के कोने-कोने से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

- मुख्य आकर्षण
- भागसू वाटरफॉल
- धर्मकोट
- धर्मशाला टी गार्डन

बीर बिलिंग

समुद्र तल से करीब 2 हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित बीर बिलिंग हिमाचल प्रदेश का एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह जगह सबसे ज्यादा पैराग्लाइडिंग के लिए जाना जाता है। दुनिया भर से पर्यटक यहां पर पैराग्लाइडिंग के लिए पहुंचते हैं। यहां पर आप पहाड़ों में ट्रेकिंग, हाइकिंग और कैंपिंग का शानदार लुत्फ उठा सकते हैं।

- मुख्य आकर्षण
- चोकलिंग मठ
- गुनेहर वॉटरफॉल
- बीर सनसेट पॉइंट

बरोट हिल स्टेशन

बरोट हिल स्टेशन हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में स्थित छिपा खजाना माना जाता है। यहां पर ऊंचे-ऊंचे बादलों से ढके पहाड़, देवदार के बड़े-बड़े पेड़, झील-झरने और घने जंगलों के लिए जाना जाता है। यहां की ठंडी हवाओं में लोग पार्टनर, परिवार और दोस्तों के साथ घूमने के लिए आते हैं। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है।

- मुख्य आकर्षण
- बरोट मंदिर
- लापस वॉटरफॉल
- बाडा ग्रान ट्रेक

कुल्लू

कुल्लू हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत जिला और हिल स्टेशन है। बता दें कि यह मंडी-मनाली राजमार्ग पर पड़ता है। कुल्लू अपनी खूबसूरती और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर आपको घास के मैदान, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और झील-झरनों के लिए जाना जाता है। कई पर्यटक वीकेंड पर लोग घूमने के लिए पहुंचते हैं।

- मुख्य आकर्षण
- फ्रेंडशिप पीक
- नग्गर कैसल
- भृगु झील

ब्यूटी / फैशन

राधाष्टमी पर पाएं गॉर्जियस लुक, ये फ्लोरल एथनिक आउटफिट्स हैं सबसे ट्रेंडिंग

जन्माष्टमी के बाद राधाष्टमी का पर्व मनाया जाता है। इस बार 31 अगस्त को राधाष्टमी का पर्व मनाया जा रहा है। लेकिन अगर आप इस मौके पर कंफ्यूज हैं कि आपको कौन सा आउटफिट पहनना चाहिए, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे सूट डिजाइन के बारे बताने जा रहे हैं, जिनको आप राधाष्टमी के मौके पर पहनकर अपनी खूबसूरती बढ़ा सकती हैं।

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे सूट डिजाइन के बारे बताने जा रहे हैं, जिनको आप राधाष्टमी के मौके पर पहनकर अपनी खूबसूरती बढ़ा सकती हैं। इन आउटफिट्स को कैरी कर इस खास मौके पर आप परफेक्ट फेस्टिव लुक पा सकेंगी।

फ्लोरल प्रिंटेड राउंड नेक अनारकली सूट

हर साल की तरह इस साल भी यदि आप राधाष्टमी के मौके पर सबसे अलग और खूबसूरत नजर आना चाहती हैं, तो आप खूबसूरत फ्लोरल प्रिंटेड राउंड नेक अनारकली सूट को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के सूट आप मार्केट से कपड़ा लाकर बनवा सकती हैं। या फिर इस सूट को ऑनलाइन खरीद सकती हैं। इस सूट को पहनकर आप बला की खूबसूरत नजर आएंगी।

फ्लोरल चंदेरी सिल्क कुर्ता सेट

हर साल की तरह इस बार भी अगर आप राधाष्टमी के पर्व को खास और यादगार बनाना चाहती हैं, तो आप खूबसूरत फ्लोरल चंदेरी सिल्क कुर्ता सेट ट्राई कर सकती हैं। इसको पहनकर आपका लुक स्टाइलिश और खूबसूरत दिखेगा।

फ्लोरल प्रिंटेड एम्पायर कुर्ता सेट

राधाष्टमी के खास मौके पर अगर आप कुछ अलग या यूनिक ट्राई करने का सोच रही हैं, तो आप फ्लोरल प्रिंटेड एम्पायर कुर्ता सेट कैरी कर सकती हैं। इन दिनों इस तरह के सूट काफी चर्चा में हैं। यह सूट अधिकतर लड़कियों को पसंद आ रहे हैं। ऐसे में राधाष्टमी के खास मौके पर यह आपके लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है। इसको पहनकर आप अपनी खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंटेड रेगुलर कुर्ता सेट

अगर आप भी राधाष्टमी के दिन एक जैसे कपड़े पहनने की बजाय कुछ अलग ट्राई करने का सोच रही हैं, तो फ्लोरल प्रिंटेड रेगुलर कुर्ता सेट एक बेस्ट ऑप्शन हो सकता है।

राधाष्टमी पर इस तरह का सूट पहनकर आप सुंदर हसीना से कम नहीं लगेंगी। यह सूट आपको गॉर्जियस लुक देने में सहायता करेगा।

इस तरह का सूट आप ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

घरेलू नुस्खे

तवे पर किनारे पर जमी कालीख मिनटों में होगी साफ, खत्म होगी किचन की टेंशन

भारतीय किचन में हर रोज तवे का इस्तेमाल होता है, जिस कारण इस पर कालीख जम जाती है। इस कालीख को साफ करना मुश्किल होता है। आज हम आपके साथ किचन हैक्स शेयर करने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करने आपका तवा 2 मिनट में साफ हो जाएगा।

भारतीय किचन में रोटी, पराठे और डोसा बनाने के लिए तवा का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। हालांकि डोसा तो कभी-कभी लेकिन रोटी-पराठा तो हर रोज ही बनता है। लेकिन समय के साथ तवा गंदा भी हो जाता है और इसके किनारों पर कालीख जमने लगती है। जिसको नॉर्मल क्लीनिंग से निकालना काफी मुश्किल होता है। वहीं साफ करने पर कई घंटे की मेहनत लगती है। लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ किचन हैक्स शेयर करने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करने आपका तवा 2 मिनट में साफ हो जाएगा। वहीं एक दो बार इस प्रोसेस को दोहराने से तवा एकदम नए की तरह दिखने लगेगा।

सामग्री

एक नींबू
एक चम्मच नमक
थोड़ा का वाइट विनेगर

ऐसे करें साफ

सबसे पहले काले तवे को क्लीन करने के लिए गैस पर रखें। इसको अच्छे से गरम होने दें और जब तवा इतना गर्म हो जाए, तो उस पर पानी की बूंदे डालने से फौरन भाप बनने लगे।

तब गैस के फ्लेम को बिल्कुल धीमा कर दीजिए और एक चम्मच इस पर नमक डालकर फैला दें।

फिर नींबू को दो हिस्सों में काट लें। अब एक हिस्से को गर्म तवे पर पड़े नमक से रगड़ना है। ध्यान रखें कि तवा जहां पर अधिक गंदा है, वहां पर नींबू को अधिक रगड़ें। जैसे कि तवे के किनारों पर जमी कालीख पर नमक लेते हुए नींबू को घुमाते हुए रगड़ें।

अगर आपके पास नींबू नहीं है, तो विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन नींबू और विनेगर दोनों को साथ में इस्तेमाल करने से अच्छा रिजल्ट मिलता है। क्योंकि दोनों में नेचुरल एसिड होता है। नींबू को पकड़कर गर्म तवे पर रगड़ते रहें। आप चाहें तो नींबू को तवे पर रगड़ते हुए थोड़ा सा विनेगर डाल लें। इससे आपको अच्छा रिलज्ट मिलेगा। इस ट्रिक की सहायता से तवा 2 मिनट में साफ हो जाएगा। आखिरी में नॉर्मल डिटर्जेंट से साफ करें, जिससे कि तवा पर जो थोड़ी बहुत चिकनाई होगी, वह भी निकल जाएगी। इससे आपका तवा बिल्कुल नए जैसा हो जाएगा और सालों से जमा गंदगी भी आसानी से निकल जाएगी।

राज चौपला रेलवे क्रॉसिंग पर बनेगा आरओबी, सांसद ने किया शिलान्यास

विधायक मंजू शिवाच व पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी व पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली ने की कार्यक्रम में शिरकत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। रविवार को मोदीनगर के राज चौपला से भोजपुर हापुड़ को जाने वाली सड़क पर रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर आरओबी का शिलान्यास विधि विधान के साथ पूर्ण हुआ। बागपत सांसद राजकुमार सांगवान ने नारियल फोड़कर शिलान्यास किया। इस मौके पर उनके साथ मोदीनगर विधायक मंजू शिवाच, नगर पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली, पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी व वुडहिल के एमडी विवेक भाटी ने बारी-बारी से नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में वुडहिल कंपनी के एमडी विवेक भाटी व डायरेक्टर सिद्धार्थ चौधरी, रोहन चौधरी ने पुष्प गुच्छ व शॉल भेट कर अतिथियों का स्वागत किया।

सांसद राजकुमार सांगवान ने कहा कि मुझे वुडहिल कंपनी पर पूरा भरोसा है कि वह अच्छा काम करेगी। क्योंकि मेरे मित्र प्रशांत चौधरी इसी क्षेत्र के रहने वाले हैं और अपने घर का काम हर आदमी बहुत अच्छे से करता है। उन्होंने तारीफ करते हुए कहा कि पूरे उत्तर भारत में वुडहिल कंपनी बहुत अच्छा काम कर रही है।

पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी ने कहा मोदीनगर का यह निर्माण उनका लक्ष्य था। इसीलिए उन्होंने इस निर्माण का ठेका अपनी कंपनी के नाम लिया। उन्होंने कहा कि इस आरओबी का निर्माण वुडहिल कंपनी पूरी गुणवत्ता के साथ करेगी। पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी ने कहा इस क्षेत्र की जनता से मेरा पारिवारिक लगाव है। इसलिए मैं पूरी कोशिश करूंगा कि आपके भरोसे पर पूरी तरह खरा उतर सकूं।

मोदीनगर विधायक मंजू शिवाच ने कहा मोदीनगर का विकास तेजी से आगे बढ़ रहा है और ऐसे ही आगे बढ़ता रहेगा। पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी की कंपनी वुडहिल पर मुझे पूर्ण भरोसा है कि वह अपने कार्य को बखूबी से अंजाम देंगे।

राज चौपले पर खत्म होगा जाम का झाम

मोदीनगर में जल्द ही राज चौपला क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज (ROB) का निर्माण शुरू होगा। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम इस महीने के अंत तक काम शुरू कर देगा। पुल 700 मीटर लंबा होगा और इसे बनाने में लगभग 48 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस प्रोजेक्ट से मोदीनगर में लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी। जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम मोदीनगर में राज चौपला क्रॉसिंग पर ROB बनाने जा रहा है। निगम ने जुलाई में ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली थी। लेकिन व्यापारियों के विरोध के कारण काम शुरू नहीं हो सका था। अब विरोध शांत होने के बाद जमीन लेने का काम शुरू हो गया है।

शासन ने मई में इस योजना को मंजूरी दी थी। पुल के रास्ते में आने वाली जमीन को लेकर व्यापारी और किसान लंबे समय से विरोध कर रहे थे। विरोध के बावजूद निगम ने टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली थी। अधिकारियों का कहना है कि अब कोई विरोध नहीं है। जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है और पेड़ों को काटना भी शुरू कर दिया गया है।

ROB के निर्माण पर लगभग 48 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा, यूटीलिटी शिफ्टिंग (जैसे बिजली के खंभे हटाना), जमीन का मुआवजा देने जैसे कामों के लिए अलग से बजट रखा गया है। वुडहिल नामक एक निर्माण कंपनी को टेंडर दिया गया है। कंपनी को ROB बनाने के लिए दो साल का समय दिया गया है।

राज चौपले की रेलवे लाइन बहुत व्यस्त है। इस वजह से फाटक बहुत कम समय के लिए खुलता है। इसलिए फाटक के दोनों तरफ हमेशा जाम लगा रहता है। इस आरओबी के बनने से जनता को बहुत राहत हो जाएगी।

विधायक ने निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक निधि से निर्मित दो निर्माण कार्यों का लोकार्पण विधिवत फीता काटकर किया गया। ग्राम तलहैटा में मुख्य मार्ग से श्मशान घाट तक इण्टरलॉकिंग टाइल्स निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया। इस कार्य पर लगभग 5.26 लाख की लागत व्यय हुई है। ग्राम चुड़ियाला में मुख्य मार्ग से मेमपाल के खेत तक इण्टरलॉकिंग टाइल्स निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया। इस कार्य पर लगभग 4.89 लाख की लागत व्यय हुई है। इन दोनों विकास कार्यों से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा प्राप्त होगी तथा गांवों के सर्वांगीण विकास को नई दिशा मिलेगी। लोकार्पण अवसर पर म विधायक ने ग्रामीणों से भेंटकर उनका हालचाल जाना तथा उनकी समस्याओं एवं सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना।इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह,अमित चौधरी, दीपक (मण्डल अध्यक्ष), नीटू चौधरी, संदीप, नरेंद्र प्रधान, हरेंद्र, महेंद्र आदि उपस्थित रहें।

विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रोरी में नव निर्मित लाइब्रेरी का उद्घाटन किया

विधायक मंजू शिवाच ने जन चौपाल में सम्मिलित ग्रामवासियों से किया संवाद

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रोरी में नव निर्मित लाइब्रेरी का उद्घाटन करने का अवसर प्राप्त हुआ। यह लाइब्रेरी निश्चित ही ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों, युवाओं एवं अध्ययनशील नागरिकों के लिए ज्ञान, अध्ययन और प्रेरणा का केंद्र बनेगी तथा शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। उद्घाटन कार्यक्रम के उपरांत आयोजित ग्राम जन चौपाल में सम्मिलित होकर ग्रामवासियों से संवाद किया और उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना। ग्रामवासियों द्वारा प्रस्तुत

बिंदुओं को संज्ञान में लेते हुए आश्वस्त किया गया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। विधायक डॉ मंजू शिवाच ने कहा ग्राम का समग्र विकास तभी संभव है जब प्रत्येक नागरिक सक्रिय सहयोग और सहभागिता प्रदान करे। सभी के सामूहिक प्रयासों से ही एक विकसित, सशक्त एवं आत्मनिर्भर ग्राम और विधानसभा क्षेत्र का निर्माण संभव है। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, बीडीओ पीयूष राय, अमित चौधरी, ग्राम प्रधान सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री केपी मलिक का हुआ स्वागत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री केपी मलिक का स्वागत किया गया। रामपाल चौधरी के निवास 26 सतीश पार्क पर पधारने पर जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी ने पटका पहना कर स्वागत किया। स्वागत करने वालों में रणवीर दहिया, आलोक चौधरी, मनोज त्यागी, जयवीर नेहरा, दर्शन नेहरा, दीपक त्यागी उत्तम राणा उपस्थित थे।

एमएम डिग्री कॉलेज प्रांगण में मेला आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। मेले का डॉ. के.एन. मोदी फाउंडेशन के अंतर्गत एम.एम. डिग्री कॉलेज प्रांगण में में आयोजित मेले का भव्य शुभारंभ आज, सीएमडी के निदेशक, डॉ. रविन्द्र आर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यगण भी उनके साथ उपस्थित रहे।

मेले के मुख्य आकर्षण विविध प्रकार के झूले, खिलोने, पारंपरिक कला एवं खानपान के स्टाल्स हैं, मेले के मुख्य आकर्षण विविध प्रकार के झूले, खिलोने, पारंपरिक कला एवं खानपान के स्टाल्स हैं, उद्घाटन में उपस्थिसत सभी छात्रों ने झूलो का आनंद लिया और उपलब्ध खानपान की चीजों का भी आनंद लिया। मेले के व्यवस्थापक अरमान खान जी ने बताया की मेले 15 सेम्प्टेमबर तक मोदीनगर निवासियों के लिए उपलब्ध रहेगा एवं मोदीनगर की जनता से भारी संख्यां में आकर मेले की शोभा बढ़ने की अपील की। मेले के सफल उद्धघाटन हेतु आयोजक समिति एवं सभी विद्यार्थियों को बधाई दी गई।

मोदी कॉलेज के छात्रों ने शिक्षकों संग किया गदाना स्थित गऊशाला का भ्रमण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा योगेश्वर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर निर्गत निदेर्शानुसार डॉ के एन मोदी साइंस एंड कामर्स कालेज मोदीनगर के छात्रों ने हापुड़ रोड स्थित गौशाला का भ्रमण किया और गोपालन के महत्व का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।

छात्र कालेज के वरिष्ठ प्रवक्ता प्रयास शर्मा, शरद कुमार बाजपेयी, प्रवीण कुमार जैनर, रामरतन वर्मा और राहुल त्यागी के निर्देशन में गौशाला में पहुंचे जहां गोवंश को चारा, चोकर आदि खिलाकर उनकी सेवा की । शिक्षकों ने छात्रों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के उद्धरणों द्वारा गौपालन की आवश्यकता समझायी तथा छात्रों को गोपालन के प्रति संवेदनशील रहने एवं

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के त्योहार एवं गोपालन के महत्व से अवगत कराया। गौ उत्पाद अनादि काल से मानव जीवन को पुष्ट और निरोगी रखते आए हैं। पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित तथा भारतीय वेद वेदांत से अपरिचित वर्तमान संतति अनेक बल बुद्धि प्रदाता भारतीय खान-पान से विरत होकर लगातार अस्वस्थ जीवन जिएं जा रही है। यदि ग्रामीण परिवार एक भारतीय गाय को अपने परिवार का सदस्य बना सके तो स्वस्थ राष्ट्र की परिकल्पना कदापि असंभव नहीं है। गो उत्पादों का उपयोग विभिन्न प्रकार की असाध्य बीमारियों में काम आने वाली अनेक औषधियां तैयार करने में किया जाता है। इस अवसर पर सभी से गोवंश पालने एवं उनकी रक्षा करने में मदद करने का आह्वान किया गया ।यद्यपि पाश्चात्य देशों में भी अब भारतीय गाय के चमत्कारिक प्रभावों से परिचित होते जाने के कारण चिकित्सकों ने नागरिकों को नित्य कुछ समय गायों के साथ व्यतीत करना स्वास्थ्य के लिए बहुत अनुकूल बताया है जिसका धीरे धीरे नागरिकों द्वारा अनुपालन भी किया जाना प्रारंभ हुआ है। अंत में सभी को गोवंश के प्रति संवेदनशील रहने, गोपालन करने और सभी को इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया।

बार एसोसिएशन मोदीनगर के नवनिवार्चित सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। शुक्रवार को मोदीनगर तहसील परिसर स्थित मीटिंग हॉल शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बार एसोसिएशन मोदीनगर की नवनिवार्चित सदस्यों को पद और गोपनियता की शपथ दिलाई गई।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में बार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के चेयरमेन शिव किशोर गौड़, ग्रामीण न्यायालय के न्यायाधीश संतनाम सिंह यादव, तहसीलदार मोदीनगर रजत सिंह व न्यायिक तहसीलदार मोदीनगर अरूण अग्रवाल, सब रजिस्ट्रार मोदीनगर भरत कुमार व बार एसोसिएशन गाजियाबाद के अध्यक्ष दीपक शर्मा व सचिव अमित नेहरा एडवोकेट व मोदीनगर पालिका परिषद के चेयरमेन विनोद वैशाली जी उपस्थित रहें। इस मौके पर ग्रामीण न्यायालय मोदीनगर के न्यायाधीश संतनाम सिंह यादव ने बार एसोसिएशन मोदीनगर की नई कार्यकारीणी को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण कार्यकारीणी में मुख्य रूप से अध्यक्ष जगवीर सिंह, सचिव नकुल त्यागी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश कुमार, मीडिया प्रभारी राजकुमार चौधरी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष अजित कुमार, कोषाध्यक्ष देवेश शर्मा, सहसचिव अरूण कुमार सहित राजकुमार गुप्ता, उत्तम कुमार त्यागी, विशाल शर्मा आदि अधिवक्ताओं ने शपथ ग्रहण की तथा बार एसोसिएशन के सभी अधिवक्ता उक्त कार्यक्रम में मौजूद रहे।